E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 13 | अंक : 01 | गुवाहाटी | शनिवार, 1 अगस्त, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

नटसूर्य फणी शर्मा की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को महान रंगकर्मी एवं फिल्म अभिनेता नटसूर्य फणी शर्मा की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर अपने संदेश में कहा कि फणी शर्मा असमिया रंगमंच और फिल्म जगत के उज्ज्वल नक्षत्र थे। असमिया संस्कृति, रंगमंच और सिनेमा के क्षेत्र में उनका अतुलनीय योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। डॉ. शर्मा ने कहा कि फणी शर्मा की सृजनात्मक कृतियां और उनके आदर्श आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि असम की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध बनाने में उनका योगदान अमूल्य है।

असम कैबिनेट के फैसलों से विकास, हरित अर्थव्यवस्था और सुशासन को मिलेगी नई गति : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) असम प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों का स्वागत करते हुए कहा कि ये फैसले असम को समृद्ध, हरित, पारदर्शी और आत्मनिर्भर राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे। शुक्रवार को यह जानकारी भाजपा प्रदेश मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन से जारी बयान में पार्टी प्रवक्ता डॉ. अंकिता दत्ता ने दी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनकल्याण, समग्र विकास, पर्यावरण संरक्षण और सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कैबिनेट के फैसले हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, प्रशासनिक सुधारों को मजबूत करने और सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी एवं जनहितैषी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कैबिनेट ने असम समृद्धि संपीड़ित बायो-गैस (सीबीजी) नीति-2026 को मंजूरी दी है। इस नीति का उद्देश्य जैविक कचरे को स्वच्छ और सतत ऊर्जा में परिवर्तित करना, बायो-गैस परियोजनाओं को बढ़ावा देना तथा निवेश और औद्योगिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़े कदम के तहत ग्वालपाड़ा के प्रस्तावित राक्षसिनी आरक्षित वन और धुबड़ी के प्रस्तावित नलबाड़ी आरक्षित वन को आधिकारिक रूप से आरक्षित वन घोषित करने की मंजूरी दी गई। इससे राज्य के वन, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को मजबूती मिलेगी। इसके अलावा, इंजीनियरिंग मेट्रोलॉजी से जुड़ी परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए असम इंजीनियरिंग मेट्रोलॉजी (सरकारी मान्यता प्राप्त परीक्षण केंद्र) नियम, 2026 को मंजूरी दी गई है। वहीं, असम पशुपालन एवं पशु चिकित्सा अधीनस्थ सेवा (संशोधन) नियम, 2026 के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, योग्यता आधारित और निष्पक्ष बनाने का निर्णय लिया गया है। भाजपा ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार विकास, पर्यावरण संरक्षण, सुशासन और जनकल्याण को केंद्र में रखकर असम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

बाढ़ प्रभावित परिवारों के पुनर्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता : पीयूष हजारिका

गुवाहाटी (हिंस)। असम के कृषि, सिंचाई एवं संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने शुक्रवार को शिवसागर जिले के डिमो और नाजिरा विधानसभा क्षेत्रों का दौरा कर बाढ़ राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, क्षतिग्रस्त मकानों के पुनर्निर्माण और किसानों को सहायता उपलब्ध कराने में तेजी लाने के निर्देश दिए। मंत्री ने दिन की शुरुआत डिमो विधानसभा क्षेत्र के 2 नंबर भाटगज गांव में बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए स्थापित सामुदायिक धान पौधशाला (कम्युनिटी पैडी सीडलिंग नर्सरी) के उद्घाटन से की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण धान की पौध उपलब्ध कराकर खेती को जल्द से जल्द सामान्य करना है। इसके बाद हजारिका ने शिवसागर के संरक्षक मंत्री बिमल बोरा के साथ नाजिरा में समीक्षा बैठक की। बैठक में बाढ़ की स्थिति, राहत एवं बचाव कार्य, पुनर्वास योजनाओं और कृषि विभाग की तैयारियों की समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को क्षतिग्रस्त मकानों के पुनर्निर्माण के लिए तत्काल कार्रवाई करने तथा बांस, सीजीआई शीट सहित आवश्यक निर्माण सामग्री समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मंत्री ने

कहा कि नाजिरा विधानसभा क्षेत्र हालिया बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, इसलिए यहां पुनर्वास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने स्वास्थ्य, स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ-साथ स्कूलों की सफाई कर जल्द शिक्षण कार्य शुरू कराने के निर्देश भी दिए। हजारिका ने कृषि विभाग को फसल क्षति के आकलन, धान की पौध उपलब्ध कराने और बाढ़ प्रभावित किसानों को हरसंभव सहायता देने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि वह अगले एक सप्ताह तक शिवसागर में रहकर पुनर्वास एवं कृषि बहाली कार्यों की निगरानी करेंगे।

असम : सरकार की बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रीफैब्रिकेटेड घर बनाने की मंशा

गुवाहाटी (हिंस)। उपरी असम के मुख्य रूप से चार जिलों में विनाशकारी बाढ़ से जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। इस कड़ी में राज्य के मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा ने आज सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए उपरी असम में संकट के समय मदद करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया है। मुख्य सचिव ने सोशल मीडिया लिंकेड इन पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि असम में बाढ़ से प्रभावित कुछ परिवार अभी भी पानी जमा होने के कारण अपने घरों को नहीं लौट पा रहे हैं। भले ही पानी अब ज्यादा गहरा नहीं है, लेकिन उनके घर अगले दो-तीन महीनों तक रहने लायक नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा है कि हम ऐसे पार्टनर की तलाश में हैं जो हमें तेजी से प्रीफैब्रिकेटेड घर बनाने में मदद कर सकें, जो असम की ज़्यादा बारिश और ज़्यादा नमी वाले मौसम के हिसाब से सही हों। हम कुछ घरों के साथ एक छोटा पायलट प्रोजेक्ट शुरू करना चाहते हैं, ताकि यह देख सकें कि वे इन हालात में कैसे काम करते हैं, और फिर हम इस मामले में आगे बढ़ेंगे। मुख्य सचिव ने कहा है कि अगर किसी या कोई संस्था को ऐसे समाधानों को डिजाइन करने, बनाने या लगाने का अनुभव है और आप तेजी से काम करने में हमारी मदद कर सकते हैं, तो कृपया मुझे सीधे सूचित (डीएम) करें।

असम में बाढ़ से शिवसागर जिले में सबसे ज्यादा तबाही

गुवाहाटी (हिंस)। असम में बाढ़ की विभिषिका की बदरंग कहानी शिवसागर जिले में सबसे अधिक देखने को मिल रही है। कई गांवों की हालत ऐसी हो गयी है, जहां पर पूरे गांव में कमर तक मिट्टी की गाद भरी हुई है। ऐसी ही स्थिति घरों के अंदर की भी है। बाढ़ में कई परिवारों के लोग लापता हो गये हैं, जिनका कुछ भी पता नहीं है। हालांकि, ऐसे लोगों की अभी तक आधिकारिक रूप से कोई डेटा सामने नहीं आया है। बावजूद नदियों का पानी अब उतरने लगा है जिसके चलते अब लोग अब नये सिरे से जीवन जीने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित ऊपरी असम के चार जिलों शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट और गोलाघाट हैं, जहां पर सरकारी एवं निजी स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य चल रहा है। बावजूद लोग अपने घरों में जा नहीं पा रहे हैं। बाढ़ ने सभी कुछ तबाह कर दिया है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के 30 जुलाई को जारी आंकड़ों के अनुसार धनसिरि नदी (नुमलीगढ़) खतरे के निशान से उपर बह रही है। इस बीच शिवसागर जिले में दो लोगों के शव बरामद हुए हैं। इस तरह राज्य में मृतकों की कुल संख्या 80 हो गयी है। बाढ़ से वर्तमान समय में कुल आठ जिले अभी भी बुरी तरह से प्रभावित हैं। इनमें गोलाघाट, शिवसागर, बिश्वनाथ, चराईदेव, कामरूप (मेट्रो), जोरहाट, धेमाजी और नगांव जिले शामिल हैं। इन जिलों के 21 राजस्व मंडलों के कुल 437 गांव प्रभावित हैं। राज्य की कुल 212441 आबादी अभी भी प्रभावित हैं एवं 17198.09 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। सरकार ने बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए वर्तमान में कुल 62 राहत शिविर एवं 50 राहत वितरण केंद्र समेत कुल 112 शिविर क्रियान्वित रखे हैं। राहत शिविरों में 13294 लोग आश्रय लिए हुए हैं। जबकि राहत वितरण केंद्रों पर 62289 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं। बाढ़ में राहत एवं बचाय अभियान में एसडीआरएफ, सेना/अर्धसैनिक बल, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ, एयर फोर्स, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (एफ एंड ईएस), सर्कल कार्यालय/स्थानीय प्रशासन, नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक और अग्निशमन विभाग जुटा हुआ है। इस बीच बाढ़ प्रभावित इलाकों में राज्य सरकार ने कुल 94 मेडिकल टीमों को तैनात किया। इस दौरान 26 नावें भी राहत कार्य में जुटी रहीं। बाढ़ से बड़े पैमाने पर सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत ढांचे को नुकसान पहुंचा है।

शिवसागर के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आया मालीगांव प्रेस क्लब

गुवाहाटी (हिंस)। उपरी असम के विस्तृत इलाकों में बाढ़ का पानी भले ही धीरे-धीरे कम होने लगा हो, लेकिन लोगों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। विशेष रूप से शिवसागर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अब भी कई परिवार गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। बाढ़ के दौरान घर-बार क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, खाद्य व आवश्यक सामग्रियों का अभाव बना हुआ है और साथ ही स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं भी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। ऐसी कठिन परिस्थिति में विभिन्न सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ-साथ गुवाहाटी स्थित मालीगांव प्रेस क्लब भी बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए आगे

आया है। गुवाहाटी के पांडु स्थित *राइनोज ग्रुप फॉर ह्यूमैनिटी एंड वेलफेयर* के सदस्यों के सहयोग से प्रेस क्लब के सदस्यों ने शिवसागर जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री वितरित करने की पहल की। प्रेस क्लब के सदस्यों ने शिवसागर जिले के आमगुड़ी, भाधरा सहित कई बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर पीड़ित परिवारों को जरूरी सामान सौंपा। इसके अलावा, राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने अस्थायी राहत शिविरों में शरण लिए बाढ़ पीड़ितों के बीच भी विभिन्न राहत सामग्रियों का वितरण किया गया। राहत सामग्री में सूखा राशन, मच्छरदानी, सैनिटरी पैड, कपड़े, शुद्ध पेयजल, ब्लीचिंग पाउडर तथा अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल थीं। विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सैनिटरी पैड व अन्य जरूरी सामान बांटे गए। प्रेस क्लब की इस मानवीय पहल से कई बाढ़ पीड़ित परिवार लाभान्वित हुए हैं। संगठन की ओर से बताया गया कि केवल राहत बांटना ही नहीं, बल्कि संकटग्रस्त लोगों के साथ खड़े रहकर उनकी आवश्यकता अनुसार मदद पहुंचाना ही इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में मालीगांव प्रेस क्लब और राइनोज ग्रुप फॉर ह्यूमैनिटी एंड वेलफेयर का यह प्रयास मानवता की एक मिसाल बनकर सामने आया है। बाढ़ का पानी भले ही कम होने लगा हो, लेकिन प्रभावित लोगों को सामान्य जीवन में लौटने में अभी काफी समय लगेगा। इसलिए समाज के विभिन्न वर्गों और संगठनों से आगे आकर बाढ़ पीड़ितों की मदद करने की अपील भी की गई है। इस मुश्किल समय में प्रेस क्लब की इस मुहिम में सहयोग देने वाले सभी लोगों का प्रेस क्लब की ओर से आभार व्यक्त किया गया है।

जीएमसीएच के नए भवन निर्माण कार्य का स्वास्थ्य मंत्री ने किया निरीक्षण

गुवाहाटी (हिंस)। असम के स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री अशोक सिंघल ने शुक्रवार को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) में निर्माणाधीन नए भवन का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों, अभियंताओं और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत बैठक कर परियोजना की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने निर्देश दिया कि निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों और तकनीकी पहलुओं से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। साथ ही अधिकारियों को नियमित निगरानी और बेहतर समन्वय के माध्यम से कार्य में किसी प्रकार की देरी नहीं होने देने के निर्देश दिए। अशोक सिंघल ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। नए भवन के तैयार होने से जीएमसीएच में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार होगा, अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध होंगे तथा अधिक संख्या में मरीजों को बेहतर उपचार प्रदान किया जा सकेगा। इससे डॉक्टरों, स्वास्थ्यकर्मियों और मरीजों को आधुनिक एवं सुविधासंपन्न वातावरण भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने विश्वास जताया कि जीएमसीएच का नया भवन इस लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. मनोज कुमार चौधरी, जीएमसीएच के प्राचार्य डॉ. बाबुल कुमार बेजबरुवा तथा अधीक्षक डॉ. देवजीत चौधरी भी मौजूद रहे।

धारापुर में हाथी दांत बरामद दो तस्कर दबोचे गए

गुवाहाटी (हिंस)। वन्यजीव तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कामरूप पूर्वी वन प्रभाग ने शुक्रवार को एक विशेष अभियान के दौरान गुवाहाटी के धारापुर इलाके से हाथी दांत के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई खानामुख रेंज वन विभाग की एक टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर की। अभियान के दौरान तस्करों द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा एक स्कूटर भी जब्त किया गया है। वन विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, खानामुख रेंज वन कार्यालय के अधिकारी पिछले करीब एक महीने से मिल रही गुप्त सूचनाओं के आधार पर निगरानी रख रहे थे। इसी सूचना के आधार पर बीट अधिकारी पापरी कछारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम ने संदिग्धों का पीछा किया और आखिरकार धारापुर इलाके से उन्हें रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा, आरोपितों द्वारा इस्तेमाल की जा रही एक स्कूटी (एएस-25एबी-7517) को भी जब्त किया गया। इस विशेष अभियान में बीट अधिकारी पापरी कछारी की टीम में वन रक्षक मानस प्रतिम बनिया, कृष्णश्री हजारिका, भूपेश मालाकार और प्रमोद कुंवर शामिल थे। वन विभाग ने बताया कि टीम की तत्परता और त्वरित कार्रवाई के कारण ही हाथी दांत की बरामदगी और तस्करों की गिरफ्तारी संभव हो सकी। गिरफ्तार दोनों आरोपितों की पहचान दीपज्योति कलिता और सुभाष डेका के रूप में हुई है। उनके कब्जे से बरामद किए गए हाथी दांत का वजन लगभग 10 किलोग्राम आंका गया है। वन अधिकारियों ने बताया कि दोनों आरोपितों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यूपीपीएल की मांग : फुंखा बसुमतारी की मौत की न्यायिक जांच हो, सीएम को सौंपा गया ज्ञापन

कोकराझाड़ (विभास)। यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल के एक प्रतिनिधिमंडल ने कोकराझाड़ के उपायुक्त के माध्यम से असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को एक ज्ञापन सौंपा है। पार्टी ने कोकराझाड़ जिले के राइमोना नेशनल पार्क के अंतर्गत आने वाले आथियाबारी रेंज में वन विभाग की गोलीबारी की घटना में मारे गए फुंखा बसुमतारी (निवासी: 2 नंबर मोइनागुरी गांव) की मौत की न्यायिक जांच कराने की मांग की है। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व यूपीपीएल के पार्टी महासचिव (संगठन) और पूर्व एमसीएलए माधव चंद्र छेत्री ने किया। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व विधायक एवं यूपीपीएल की कोकराझाड़ जिला समिति के अध्यक्ष लॉरेंस इस्लारी, मीडिया सेल सचिव

हंतिगिरी नार्ज़री और यूपीपीएल सचिव ब्रोजो बसुमतारी भी शामिल थे। ज्ञापन में इस घटना को *क्रूर हत्या* बताया गया है। आरोप के मुताबिक, यह घटना 28 जुलाई, 2026 की रात को सरलापारा इलाके में हुई। मामूली कहासुनी के बाद वन गार्डों की एक टीम ने फुंखा बसुमतारी को उठाया और उनके सिर में गोली मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। उनका शव 29 जुलाई को राइमोना नेशनल पार्क के आथियाबारी रेंज से बरामद किया गया था। घटना की निष्पक्ष न्यायिक जांच हो और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपए का नकद मुआवजा दिया जाए। पीड़ित परिवार के एक योग्य सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। इस घटना के बाद से इलाके में व्यापक जन आक्रोश देखा जा रहा है। कई संगठनों और राजनीतिक दलों ने फुंखा बसुमतारी की मौत की परिस्थितियों की निष्पक्ष जांच की मांग की है। दूसरी ओर, वन विभाग का दावा है कि यह गोलीबारी संदिग्ध लकड़ी तस्करों के साथ मुठभेड़ के दौरान हुई थी, जबकि मृतक के परिवार और स्थानीय नागरिकों ने इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए इसे झूठा बताया है।

जेएनयू में जल्द शुरू होंगे बोड़ो एमआईएल, स्टडी सेंटर और म्यूजियम

कोकराझाड़ (हिंस)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली में जल्द ही बोड़ो एमआईएल, बोड़ो स्टडी सेंटर और बोड़ो म्यूजियम शुरू किए जाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। कोकराझाड़ प्रेस क्लब में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बीटीसी के शिक्षा विभाग के कार्यकारी सदस्य रबीराम नार्जारी ने बताया कि बोडोएमआईएल की पढ़ाई गौहाटी विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, बोडोलैंड विश्वविद्यालय और कोकराझाड़ विश्वविद्यालय में शुरू हो चुकी है, लेकिन जेएनयू में अभी इसकी शुरुआत नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में बीटीसी के शिक्षा विभाग के ओएसडी एनबी वारी, शिक्षा निदेशक जगदीश चंद्र ब्रह्म और जनता कॉलेज के सहायक प्रोफेसर दहाल खुंगुर नार्जारी की तीन सदस्यीय टीम ने नई दिल्ली में जेएनयू प्रशासन के साथ चर्चा की। रबीराम नार्जारी ने कहा कि देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में शामिल जेएनयू में बोडोएमआईएल शुरू होना बोड़ो भाषा एवं साहित्य के वैश्विक स्तर पर शोध और अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। साथ ही, शोधार्थियों के लिए बोड़ो स्टडी सेंटर स्थापित करने और बोड़ो भाषा, साहित्य एवं संस्कृति को संरक्षित करने के उद्देश्य से बोड़ो म्यूजियम खोलने पर भी चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि जेएनयू की कुलपति शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित ने टीम को बोडोएमआईएल, बोड़ो स्टडी सेंटर और म्यूजियम स्थापित करने की दिशा में जल्द पहल करने का आश्वासन दिया है। बीटीसी सरकार की ओर से इस प्रस्ताव के लिए 10 करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध कराने की पहल किए जाने की भी जानकारी दी गई।

धुबड़ी में छद्‌रेखा नामक एक संस्कृति संस्था का भव्य उद्घाटन हुआ

धुबड़ी (विभास)। संस्कृति क्षेत्र में एक जुड़ाव के रूप में *छदरेखा* नामक एक संस्कृति संस्था का भव्य उद्घाटन पिछले दिन एक रंगारंग संस्कृति कार्यक्रम के माध्यम से समापन हुआ। आत्मविश्वास, शुभचिंतकों के सहयोग से बने इस संस्थान ने औपचारिक रूप से अपनी यात्रा शुरू की दीप प्रज्वलन के माध्यम से कार्यक्रम का भव्य उद्घाटन चित्रकार अर्जुन शर्मा, नृत्य कलाकार कलाकार एवं गुरु एरिका इनग्रिड नंदी , संगीतकार प्रति मंडल, चित्रकार कमल दास, गौतम मौलिक, नृत्य कलाकार पुष्पिता चक्रवर्ती और मौमिता सेनगुप्ता के साथ-साथ शिक्षाविद निशा खातून ने किया उद्घाटन समारोह की शुरुआत में सामूहिक रूप से *वंदे मातरम्* गीत की प्रस्तुति की गई इसके बाद अतिथियों का अभिनंदन किया गया कार्यक्रम में *छदरेखा* के सदस्य ने बांसुरी वादन, नृत्य आदि विभिन्न आकर्षक संस्कृति प्रस्तुतियों से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुक्त कर दिया कार्यक्रम में भाषण देते हुए नंदी ने उम्मीद जताई कि *छदरेखा* भविष्य में रचनात्मकता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी चित्रकार अर्जुन शर्मा ने कहा कि संस्थान की सोच और चर्चा समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालेगी उन्होंने कहा कि यह समाज मे सकारात्मक प्रभाव फैलाने के लिए है संगीत कलाकार प्रीति मंडल ने संस्था के प्रवेश द्वार में *लिखै नारे जहां प्रतिभा की शुरुआत सपनों की उड़ान* प्रशंसा की और इसे एक सुंदर और प्रेरणादायक विचारधारा बताया संचालकों के अनुसार धुबड़ी कॉलेज रोड पर स्थित हरि मंदिर के पास %छदरेखा%स्थित है इस संस्था ने बताया कि नई पीढ़ी की रचनात प्रतिभा को विकसित करने के उद्देश्य से आने वाले दिनों में विभिन्न सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रम लागू किए जाएंगे।

नगांव रॉयल लायंस क्लब ने बाढ़ पीड़ितों के लिए चलाया *साथ सहारा* राहत अभियान

नगांव (निसं)। लायंस क्लब ऑफ नगांव रॉयल (एलसीएनआर) ने असम के बाढ़ प्रभावित परिवारों की सहायता के उद्देश्य से 27 से 30 जुलाई 2026 तक *साथ सहारा* नामक विशेष राहत अभियान सफलतापूर्वक संचालित किया। इस अभियान के तहत पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए पहनने योग्य कपड़ों का संग्रह किया गया, ताकि संकट की इस घड़ी में जरूरतमंद परिवारों को राहत पहुंचाई जा सके। अभियान के दौरान नगांव शहर के विभिन्न स्थानों पर कपड़े संग्रह करने के लिए केंद्र स्थापित किए गए, जहां आम लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और उदारतापूर्वक सहयोग किया। क्लब के सदस्यों ने प्राप्त सभी कपड़ों की सावधानीपूर्वक छंटनी कर केवल अच्छी स्थिति और उपयोग योग्य वस्त्रों को वितरण के लिए पैक किया। यह परियोजना एक्सटेंशन ऑफिसर लायन दिलीप अग्रवाल, क्लब अध्यक्ष लायन बंकट अग्रवाल, सचिव लायन मनीष माहेश्वरी, संयुक्त सचिव लायन गौरव आलमपुरिय, सक्रिय सदस्य लायन अजय अग्रवाल तथा क्लब के सभी सदस्यों के सामूहिक प्रयासों से सफलतापूर्वक संपन्न की गई। राहत सामग्री के सुव्यवस्थित एवं प्रभावी वितरण को सुनिश्चित करने के लिए क्लब ने एकत्रित कपड़ों को औपचारिक रूप से नगांव के जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा (आईएएस) को सौंपा, ताकि जिला प्रशासन के माध्यम से इन्हें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया जा सके। इस अवसर पर क्लब के सचिव लायन मनीष माहेश्वरी ने जिला आयुक्त को सम्मान स्वरूप स्मृति-चिह्न भेंट कर उनका अभिनंदन भी किया। क्लब के पदाधिकारियों ने बताया कि यह अभियान लायंस क्लब के आदर्श वाक्य *वी सर्व* की भावना को साकार करता है। कहते है कि छोटी- सी मदद किसी की जिंदगी बचा सकती है। इस पहल के माध्यम से बाढ़ प्रभावित परिवारों तक सहयोग, संवेदना और आशा का संदेश पहुंचाने का प्रयास किया गया।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.426PSC/DR-7/1/2024-25

NOTIFICATION

It is for information of all concerned that, in pursuance to the Hon'ble Gauhati High court order dated 31-07-2026 in WP(C)3662/2026, the Screening Test (OMR based) scheduled to be held on **02-08-2026 (SUNDAY)** for recruitment to the post of **Member of the Assam State Consumer Disputes Redressal Commission (Non- Judicial) and Member of the District Consumer Disputes Redressal Commission under Food, Public Distribution and Consumer Affairs Department. (Advt. No. 33/2025, dated 12/12/2025)** is hereby stayed.

Revised date will be notified in due course of time.

-- DIPR /D/ VBS-42/1-Aug-26

Sd / -
Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati - 22

शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 13 | अंक : 01 | गुवाहाटी | शनिवार, 1 अगस्त, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पंजाब के मुख्यमंत्री बताएं कितनी घोषणाएं पूरी हुई : सीएम नायब सैनी पेज 5
सब्सक्रिप्शन के लिए फ्यूजन क्लासरूम का आईपीओ हुआ लान्च, 7 अगस्त ... पेज 6
औकिब नबी को भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने पर इरफान पठान ने उठाए सवाल... पेज 7
काम के साथ आंखों का रखें ख्याल पेज 8

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

शक्तिशाली शत्रु को कमजोर समझकर ही उस पर आक्रमण करें।

- आचार्य चाणक्य

बीमा से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर तक

सीएम शर्मा ने ऊपरी असम में बाढ़ से उबरने का रोडमैप जारी किया

गुवाहाटी। जैसे-जैसे राज्य का ध्यान बचाव कार्य से हटकर पुनर्वास की ओर बढ़ रहा है, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को ऊपरी असम में बाढ़ के बाद हालात सामान्य करने के लिए एक चरणबद्ध रोडमैप पेश किया। इसमें बीमा क्लेम में मदद और आर्थिक सहायता से लेकर स्कूलों को फिर से चालू करने और बुनियादी ढांचे की मरम्मत जैसे उपाय शामिल हैं। कैबिनेट मीटिंग के बाद एक प्रेस कांफ्रेंस में शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार 5 अगस्त को इंश्योरेंस कंपनियों के साथ मीटिंग करेगी। इसका मकसद यह पक्का करना है कि बाढ़ में जिन लोगों के वाहन, पशुधन और दूसरी इंश्योर्ड संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है, उनके क्लेम का समय पर निपटारा हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ में कई वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। 5 अगस्त को हम इंश्योरेंस कंपनियों से मिलेंगे ताकि यह पक्का किया जा सके कि जिन लोगों के पास इंश्योरेंस पॉलिसी हैं, उन्हें क्लेम के निपटारे में किसी तरह की लापरवाही का सामना न करना पड़े। इसमें वाहन, पशुधन और अन्य इंश्योरेंस क्लेम शामिल हैं। बाढ़ प्रभावित लोगों द्वारा लिए गए लोन के रीपेमेंट के लिए 30 जुलाई को घोषित छह महीने की मोहलत (मोरेटोरियम) का जिक्र करते हुए शर्मा ने कहा कि सरकार 5 अगस्त को नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों (एनबीएफसीएस) के साथ भी बातचीत करेगी ताकि उधार लेने वालों को इसी तरह की राहत दी जा सके। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त को हम एनबीएफसीएस से भी मिलेंगे ताकि जिन लोगों ने उनसे लोन लिया है, उन्हें कुछ राहत मिल सके। प्रभावित परिवारों के लिए घोषित 15,000 की आर्थिक मदद के बारे में शर्मा ने कहा कि आकलन की प्रक्रिया अगले एक-दो दिनों में पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षक आकलन का काम कर रहे हैं और 2 या 3 अगस्त तक हम मदद की राशि बांटना शुरू कर देंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि सरकार स्कूल यूनिफॉर्म बांटने और बदलने के लिए 1 अगस्त को *समग्र शिक्षा अभियान* को मुख्यमंत्री राहत कोष से 8 करोड़ जारी करेगी। उन्होंने कहा कि यह फंड *समग्र शिक्षा* के जरिए स्कूल प्रबंधन समितियों को ट्रांसफर किया जाएगा। पाठ्यपुस्तकों का वितरण पहले ही शुरू हो चुका है और प्रभावित छात्रों का आकलन किया जा रहा है ताकि उन्हें 1,000, 3,000 और 5,000 की आर्थिक मदद दी जा सके। शर्मा ने आगे कहा कि घरों और अन्य संपत्तियों को हुए स्थायी नुकसान का आकलन 7 अगस्त से शुरू होगा। उन्होंने कहा कि 7 अगस्त से जिला प्रशासन, राजस्व विभाग के साथ मिलकर स्थायी नुकसान का आकलन शुरू करेगा। यह काम मिशन मोड में किया जाएगा और 10 से 15 दिनों में पूरा हो जाएगा। मुआवजा बांटने का काम शुरू होने से पहले मैं शिवसागर और चराईदेउ का दौरा करूंगा। क्षतिग्रस्त घरों, पशुधन और अन्य पात्र नुकसानों के लिए मुआवजा अगस्त महीने के भीतर सरकारी नियमों के अनुसार दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ से शिवसागर में लगभग 550 स्कूल और चराईदेउ में भी कई स्कूल प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त स्कूलों -शेष पृष्ठ छह पर

बाढ़ प्रभावित स्कूलों की यूनिफॉर्म के लिए सरकार ने जारी किए आठ करोड़ रुपए

प्रभावित परिवारों को मिलेंगे 15 हजार रुपए

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार ने ऊपरी असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों के लिए राहत और पुनर्वास उपायों की नई श्रृंखला की घोषणा की है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता, स्कूलों के पुनर्स्थापन और क्षति के आकलन के लिए समयबद्ध योजना लागू की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि बाढ़ प्रभावित पात्र परिवारों को 2 या 3 अगस्त से 15 हजार रुपए की तत्काल वित्तीय सहायता मिलनी शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि चाराईदेव, शिवसागर, जोरहाट और गोलाघाट—इन चार सबसे अधिक प्रभावित जिलों में 7 अगस्त से व्यापक क्षति सर्वेक्षण शुरू किया जाएगा। सर्वेक्षण को 15 दिनों के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। शिक्षा व्यवस्था को सामान्य बनाने के लिए -शेष पृष्ठ छह पर

भारत, चीन और रूस की कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंध

वॉशिंगटन (हि.स.)। अमेरिका ने ईरान की प्रतिबंधित एयरलाइन महान एयर और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) को कथित तौर पर वित्तीय, लॉजिस्टिक और व्यावसायिक सहायता देने के आरोप में भारत, चीन, रूस और ईरान से जुड़े एक बहुराष्ट्रीय नेटवर्क पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) ने छह कंपनियों और व्यक्तियों को प्रतिबंधित सूची में शामिल किया है। अमेरिकी अधिकारियों का आरोप है कि इन संस्थाओं ने लंबे समय से अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना कर रही ईरानी एयरलाइन महान एयर के संचालन को जारी रखने में मदद की। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कहा कि जो लोग आईआरजीसी या महान एयर को वित्तीय सेवाएं, लॉजिस्टिक्स या व्यावसायिक सहयोग उपलब्ध कराते हैं, वे एक आतंकवादी संगठन को समर्थन देने का काम कर रहे हैं। अमेरिका ऐसे नेटवर्क की पहचान कर उन्हें अमेरिकी वित्तीय प्रणाली से अलग करने की कार्रवाई जारी रखेगा। प्रतिबंधों के दायरे में शामिल प्रमुख संस्थाओं में चीन की शंघाई विंग्स इंटरनेशनल लॉजिस्टिक्स कंपनी, शंघाई एलीट इंटरनेशनल ट्रैवल कंपनी और इनके प्रबंध निदेशक टैंग शीन, भारत की स्काइज ट्रेवल्स -शेष पृष्ठ छह पर

केसीपी (पीडब्ल्यूजी) और केवाईकेएल के दो सक्रिय उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए अलग-अलग कार्रवाई में केसीपी (पीडब्ल्यूजी) और केवाईकेएल के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को इंफाल पश्चिम जिले के सिंगजामेई ओइनाम थिंगेल निवासी केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के सक्रिय कैडर खुंथोकलेम्बा ओइनाम (30) उर्फ लेम्बा को उसके इलाके से गिरफ्तार किया गया।

असम साहित्य सभा ने पीएम मोदी से बाढ़ प्रभावित ऊपरी असम के दौरे की मांग की

जोरहाट/शिवसागर। असम के ऊपरी हिस्से में भीषण बाढ़ की स्थिति के बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रभावित क्षेत्रों के दौरे की मांग जोर पकड़ने लगी है। असम साहित्य सभा ने प्रधानमंत्री से बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा करने का आग्रह किया है, जहां हजारों परिवार विनाशकारी बाढ़ के कारण उत्पन्न कठिनाइयों को झेल रहे हैं। राज्य के प्रमुख साहित्यिक संगठन ने प्रधानमंत्री से असम में बार-बार आने वाली बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की अपील की है, यह देखते हुए कि 75 से अधिक शव बरामद किए जा चुके हैं जबकि 100 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं।

असम बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आया मुस्लिम राष्ट्रीय मंच

नई दिल्ली (हि.स.)। असम में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) ने आर्थिक सहयोग देने की घोषणा की है। मंच के राष्ट्रीय संयोजक शाहिद सईद ने बताया कि नई दिल्ली के कलाम भवन में आयोजित छह राष्ट्रीय संयोजकों की कोर टीम की आपात बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संगठन असम के मुख्यमंत्री राहत कोष में आर्थिक सहयोग देगा तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों तक राहत पहुंचाने के प्रयासों को और तेज करेगा। बैठक में राष्ट्रीय संयोजक मोहम्मद अफजाल, डॉ. शाहिद अख्तर, गिरीश जुयाल, अबू बकर नकवी, डॉ. शालिनी अली और शाहिद सईद उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित एमआरएम के सभी पदाधिकारियों ने देशवासियों से असम के बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए आगे आने की अपील करते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय सेवा, संवेदना और राष्ट्रीय एकजुटता ही मानवता की सबसे बड़ी पहचान है। बैठक की शुरुआत बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित कर तथा शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए हुई।

बाढ़ राहत का काम पूरा होने तक नगालैंड के साथ बातचीत रोकी जा सकती है : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। ऊपरी असम के कुछ हिस्सों में हाल ही में आई विनाशकारी बाढ़ में नगालैंड की भारी बारिश की भूमिका पर सवाल उठते रहने के बीच, राज्य सरकार ने शुक्रवार को कहा कि इस मुद्दे पर पड़ोसी राज्य के साथ कोई भी औपचारिक चर्चा राहत और पुनर्वास प्रयासों के पूरा होने के बाद ही की जाएगी। दिसपुर के लोक सेवा भवन में कैबिनेट बैठक के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि ऐसे समय में जवाबदेही या बाढ़ के कारणों पर चर्चा करना अनुचित होगा जब नगालैंड खुद आपदा के बाद के हालातों से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि शायद सितंबर या अक्तूबर तक हम नगालैंड के मुख्यमंत्री से मिलकर इस मामले पर चर्चा कर सकते हैं। फिलहाल हम इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते क्योंकि नगालैंड भी बाढ़ की चपेट में है। वे भी इससे पीड़ित हैं। शर्मा ने कहा कि कई शिक्षाविद और विशेषज्ञ पहले से ही बाढ़ के कारणों की जांच कर रहे हैं, लेकिन सरकार तत्काल राहत उपायों को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने आगे कहा कि जब तक हम मिलेंगे, उपग्रह से प्राप्त तस्वीरें और वैज्ञानिक आकलन इस बात की स्पष्ट तस्वीर पेश करेंगे कि क्या हुआ था, इसके भविष्य में क्या प्रभाव होंगे और संभावित समाधान क्या होंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि नगालैंड के मोन और -शेष पृष्ठ छह पर

पीओजेके में हो रहे अत्याचारों की जांच कराए विश्व समुदाय : भारत

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने विश्व समुदाय से पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में पाक की गतिविधियों की जांच करने और वहां किए जा रहे अत्याचारों के लिए उसे जवाबदेह ठहराए जाने की अपील की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पत्रकार वार्ता में कहा कि मीडिया जगत को भी पता है कि कैसे पाकिस्तानी प्रशासन पोओजेक में शांतिपूर्ण नागरिकों के खिलाफ बेरहमी से बल प्रयोग कर रहा है। इस कार्रवाई में 40 से ज्यादा नागरिकों की दुखद मौत हुई है और कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान प्रशासन की वहां के निर्दोष लोगों के प्रति बेरुखी तब सामने आई जब उनके रक्षा मंत्री ने विरोध कर रहे नागरिकों को दुश्मन करार दिया। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, राजनीतिक मामलों में प्रधानमंत्री के विशेष सहायक ने खुले तौर पर माना कि जिन *मुजाहिदीन* को पाक प्रशासन ने भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए प्रशिक्षित किया, हथियार दिए और भेजा था, उन्होंने अब अपनी बंदूकें देश की ओर ही मोड़ ली हैं और वे राज्य के खिलाफ ही हथियार उठा रहे हैं।

सिलचर : पानी की टंकी में दम घुटने से चार लोगों की मौत

सिलचर। असम के कछार जिले के सिलचर शहर में शुक्रवार को एक बेहद दर्दनाक हादसा हो गया। शहर के अरुणाचल कुमारपाड़ा इलाके में एक नव-निर्मित मकान की पानी की टंकी की सफाई के दौरान चार लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मकान की पानी की टंकी की सफाई का काम चल रहा था। सबसे पहले एक व्यक्ति टंकी के अंदर उतरा, लेकिन कुछ ही देर में वह बेहोश हो गया। उसे बचाने के लिए दूसरा व्यक्ति नीचे गया, लेकिन वह भी बाहर नहीं आ सका। इसके बाद तीसरा और चौथा व्यक्ति भी बचाव के लिए टंकी में उतरे, लेकिन सभी अंदर ही फंस गए। आशंका जताई जा रही है कि टंकी के अंदर जहरीली गैस जमा थी या फिर ऑक्सीजन की कमी थी, जिसके कारण चारों लोग बेहोश हो गए -शेष पृष्ठ छह पर

एसआईआर : आंध्र प्रदेश की मतदाता सूची से 45 लाख मतदाता हटाए गए

अमरावती (हि.स.)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के बाद शुक्रवार को मतदाता सूची का मसौदा (ड्राफ्ट) प्रकाशित किए जाने के बाद आंध्र प्रदेश में मतदाता सूची से लगभग 45 लाख नाम हटा दिए गए हैं। हटाए गए नामों में 22.30 लाख ऐसे लोग शामिल हैं जो स्थायी रूप से चले गए थे या अनुपस्थित पाए गए थे। इसके अलावा 15.22 लाख मृत मतदाताओं के नाम भी हटाए गए हैं जबकि 7.37 -शेष पृष्ठ छह पर

बर्धमान के पॉश इलाके से जैश का आतंकी गिरफ्तार, सीएम के आने-जाने की करता था रेकी

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने पूर्व बर्धमान जिले के बर्धमान शहर के एक रिहायशी इलाके से आतंकी गतिविधियों के संदेह में एक युवक को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ का दावा है कि गिरफ्तार युवक का संबंध प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से है। उसकी पहचान हमीद मंडल के रूप में हुई है। हालांकि, जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि उसने यह नाम असली पहचान के तौर पर इस्तेमाल किया था या फर्जी नाम से रह रहा था। गिरफ्तार आरोपित को शुक्रवार को बर्धमान अदालत में पेश किया जा रहा है। जांच एजेंसियों के अनुसार, हमीद मंडल को दुर्गापुर एक्सप्रेसवे के पास स्थित रेनेसां कॉम्प्लेक्स नामक आवासीय परिसर से गिरफ्तार किया गया। वह वहां किराये के एक फ्लैट में रह रहा था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इससे पहले वह न्यूटाउन के एक फ्लैट में भी किराये पर रह चुका है। एसटीएफ सूत्रों के मुताबिक, न्यूटाउन में जिस इलाके में वह रहता था, वह मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के फ्लैट से अधिक दूर नहीं है। इसी वजह से जांच एजेंसियां उसके वहां रहने के उद्देश्य और गतिविधियों -शेष पृष्ठ छह पर

महाराष्ट्र : भिवंडी में चार मंजिला इमारत ढही, 10 लोगों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी में इमारत का हिस्सा ढहने से बड़ा हादसा हो गया है। नारपोली स्थित भंडारी कंपाउंड में एक चार मंजिला कोहिनूर इमारत का एक बड़ा हिस्सा अचानक भरभराकर ढह गया। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई। मलबे के नीचे कई लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस, नगर निगम की टीम और एनडीआरएफ (एडीआरएफ) की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं और युद्धस्तर पर बचाव कार्य जारी है। भिवंडी पश्चिम के विधायक महेश चौगुले ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि यह नारपोली के भंडारी कंपाउंड स्थित कोहिनूर इमारत है। नगर निगम ने पहले ही इस इमारत को *सी-कैटेगरी* (बेहद खतरनाक और जर्जर) घोषित कर दिया था, जिसके बाद इसे खाली करा लिया गया था। हालांकि, इमारत खाली होने के बावजूद इसके ग्राउंड फ्लोर पर कुछ मजदूर काम कर रहे थे। अनुमान लगाया जा रहा है कि मलबे में अभी भी कुछ मजदूर दबे हो सकते हैं। राहत और बचाव कार्य के बीच एनडीआरएफ (एनडीआरएफ) की टीम को एक बड़ी सफलता मिली है। मलबे के नीचे से एक महिला को जीवित और सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। महिला को तुरंत इलाज के लिए पास के नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स के अनुसार, शुक्रवार को भी बचाव अभियान जारी रहा और मलबे के नीचे तीन से चार और लोगों के दबे होने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि कलेक्टर अधिकारी कृष्णा पांचाल बचाव कार्यों की निगरानी के लिए दुर्घटना स्थल पर पहुंच गए हैं, जबकि महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन के भी घटनास्थल का दौरा करने की उम्मीद है। एनडीआरएफ और ठाणे डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स के जवानों ने स्थानीय फायर ब्रिगेड टीमों, पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ मिलकर विशेष उपकरणों का इस्तेमाल करते हुए खोज और बचाव अभियान चलाया। ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन -शेष पृष्ठ छह पर

भारतीय रेलवे ने रचा इतिहास

पहली बार वंदेभारत एक्सप्रेस से पहुंचाया गया लाइव हार्ट

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय रेल ने पहली बार वंदे भारत एक्सप्रेस के जरिए जीवित हृदय (लाइव हार्ट) को सूरत से अहमदाबाद सुरक्षित पहुंचा कर नया इतिहास बनाया है। इस हृदय का प्रत्यारोपण अहमदाबाद के यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर में किया जाएगा। लाइव हार्ट को ट्रेन संख्या 20901 मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर कैपिटल वंदेभारत एक्सप्रेस से अहमदाबाद लाया गया। पूरा अभियान समय के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण था क्योंकि हृदय को तय समय के भीतर अस्पताल पहुंचाना जरूरी था। अहमदाबाद रेलवे स्टेशन से अस्पताल तक हृदय को ले जाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और गुजरात पुलिस ने ग्रीन कॉरिडोर बनाया। इससे बिना किसी रुकावट के हृदय को सीधे अस्पताल पहुंचाया गया, ताकि प्रत्यारोपण में देरी न हो। अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल -शेष पृष्ठ छह पर

संपादकीय

साइबर अपराधियों का शिकंजा

संयुक्त राष्ट्र की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में एशिया प्रशांत क्षेत्र के नागरिकों को साइबर ठगी और ऑनलाइन धोखाधड़ी के जरिये साइबर अपराधियों ने 114 अरब डॉलर तक का नुकसान पहुंचाया है। यानी साइबर अपराधियों ने भौगोलिक सीमाओं को तोड़कर एक समानांतर आर्थिक साम्राज्य खड़ा कर दिया है। दरअसल, आधुनिक तकनीक का दुरुपयोग करके साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट, डीपफेक, क्रिप्टोकरेंसी व फर्जी निवेश के प्रलोभन तथा विदेशों में नौकरी के सब्जबाग दिखाकर लोगों को लूट रहे हैं। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। गाहे-बगाहे बुजुर्गों व सेवानिवृत्त अधिकारियों की जीवन-भर की जमा पूंजी लूटने के मामले भारत में प्रकाश में आते रहते हैं। दरअसल, पुरानी पीढ़ी डिजिटल दुनिया की जटिलताओं और प्रलोभनों से इन अपराधियों के बुने जाल में फंस जाती है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया है कि आपराधिक कानूनों में 'डिजिटल अरेस्ट' को औपचारिक रूप से परिभाषित किया जाए। साथ ही इसे कड़ी सजा वाले एक अलग अपराध के तौर पर घोषित किया जाए। निश्चित रूप से डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते अपराधों में चलते ऐसे मामलों में गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। दरअसल, डिजिटल अरेस्ट में अपराधी ऑडियो व वीडियो कॉल के जरिये पुलिस, अन्य जांच एजेंसियों के अधिकारी, अदालत के कर्मचारी तथा सरकारी अधिकारी बनकर पीड़ितों को इतना आतंकित करते हैं कि वे भयभीत होकर अपनी जीवनभर की जमा पूंजी लुटवा बैठते हैं। बीते साल भी अंबाला के एक ऐसे ही जोड़े के पत्र के आधार पर कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था। हाल में संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में भारतीयों ने विभिन्न साइबर धोखाधड़ी के मामलों में 22,845 करोड़ रुपये गंवा दिए। इस दौरान साइबर अपराध की करीब 22 लाख घटनाएं सामने आई थीं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस तरह के अपराधों से निपटने के लिये किए जा रहे बहुआयामी प्रयासों को एक मजबूत कानूनी ढांचा प्रदान किया जाए। निश्चित रूप से साइबर अपराध अब कभी-कभार होने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं। आज यह लगातार परेशान करने वाली हकीकत है। दरअसल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑटोमेशन की सहायता से साइबर अपराधी नित नये जटिल तरीकों से लोगों के बैंक खातों में सेंध लगाने का काम कर रहे हैं। इस संकट से निपटने में हमारी बैंकिंग व्यवस्था व नियामक वित्तीय अनुशासन बनाने वाली संस्थाएं कामयाब नहीं हो पा रही हैं। जैसे-जैसे प्रवर्तन एजेंसियां व पुलिस साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसने की कोशिश में नई तकनीकों का उपयोग करते हैं, साइबर अपराधी नये तौर-तरीकों के जरिये और आगे निकल जाते हैं। निस्संदेह, यह एक कठिन चुनौती है, जिसके लिये हमें बचाव और तत्काल कार्रवाई की मजबूत रणनीति बनानी होगी। यहां यह विचारणीय प्रश्न है कि सिस्टम की किसी कमी का अपराधी कैसे आसानी से लाभ उठा जाते हैं। विडंबना यह भी है कि साइबर अपराधी के नए रूप रातों-रात सामने आ जाते हैं। जब तक हम धोखाधड़ी का तुरंत पता लगाने और तुरंत कार्रवाई करने वाले सिस्टम नहीं बनाते, हमारा वित्तीय कामकाज अक्सर साइबर अपराधियों के निशाने पर बना रहेगा। कुछ समय पहले नूंह और गुरुग्राम में बड़ी संख्या में साइबर अपराधियों का पता चला था। लेकिन आज अधिक संगठित साइबर धोखाधड़ी करने वाले वाले नए इलाकों का पता चल रहा है। इसमें कई अपराधी तो ऐसे हैं जिन्होंने कोई औपचारिक शिक्षा तक नहीं ली है। लेकिन वे पूरे देश में सीधे-सादे लोगों को अपना निशाना बना रहे हैं। बीते साल तीन सौ से अधिक संदिग्धों की गिरफ्तारी के बावजूद साइबर अपराधियों का नेटवर्क लगातार फैलता जा रहा है। बड़े पैमाने पर की गई सख्त कार्रवाई से भी अपराधियों में किसी तरह का भय न होना बताता है कि इस तरह के अपराधियों से निबटने के लिये असरदार जवाबी रणनीति बनाने की जरूरत है। जिसके अंतर्गत अपराधियों के लिये सख्त सजा का प्रावधान हो। अब यह धारणा बन रही है कि डेटा आधारित व्यवस्था में साइबर जोखिमों से बचना कठिन है।

2025 में एशिया प्रशांत क्षेत्र के नागरिकों को साइबर ठगी और ऑनलाइन धोखाधड़ी के जरिये साइबर अपराधियों ने 114 अरब डॉलर तक का नुकसान पहुंचाया है। यानी साइबर अपराधियों ने भौगोलिक सीमाओं को तोड़कर एक समानांतर आर्थिक साम्राज्य खड़ा कर दिया है। दरअसल, आधुनिक तकनीक का दुरुपयोग करके साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट, डीपफेक, क्रिप्टोकरेंसी व फर्जी निवेश के प्रलोभन तथा विदेशों में नौकरी के सब्जबाग दिखाकर लोगों को लूट रहे हैं। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। गाहे-बगाहे बुजुर्गों व सेवानिवृत्त अधिकारियों की जीवन-भर की जमा पूंजी लूटने के मामले भारत में प्रकाश में आते रहते हैं। दरअसल, पुरानी पीढ़ी डिजिटल दुनिया की जटिलताओं और प्रलोभनों से इन अपराधियों के बुने जाल में फंस जाती है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया है कि आपराधिक कानूनों में 'डिजिटल अरेस्ट' को औपचारिक रूप से परिभाषित किया जाए। साथ ही इसे कड़ी सजा वाले एक अलग अपराध के तौर पर घोषित किया जाए।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य के पास आवश्यक साधन भी होने चाहिए

आंदोलन की संस्कृतिः अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व भी आवश्यक

ललित गर्ग

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि वह विरोध को भी सम्मान देता है, किंतु विरोध की भी अपनी सीमाएं और जिम्मेदारियां होती हैं। हाल के वर्षों में कुछ आंदोलनों ने यह गंभीर प्रश्न खड़ा किया है कि क्या लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में कानून और व्यवस्था को चुनौती देना स्वीकार्य हो सकता है? यदि कोई प्रदर्शन बैरिकेड तोड़ने, पुलिस पर हमला करने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने अथवा संसद जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्थान की ओर जबरन बढ़ने का प्रयास करे, तो सरकार और सुरक्षा एजेंसियों से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वे केवल मूकदर्शक बनी रहें। राज्य का पहला दायित्व नागरिकों की सुरक्षा और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा करना है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पैलेट गन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने से इनकार करते हुए यह कहना कि असाधारण परिस्थितियों में इसका प्रयोग किया जा सकता है, इसी संतुलित दृष्टिकोण का परिचायक है।

भारत का लोकतंत्र केवल चुनावों की व्यवस्था नहीं है, बल्कि संवाद, असहमति और संवैधानिक मर्यादाओं का जीवंत तंत्र है। इस व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक को अपनी मांगों और विचारों को शांतिपूर्ण ढंग से रखने का अधिकार प्राप्त है। संविधान ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार दिया है, लेकिन यह अधिकार कभी भी हिंसा, अराजकता, सार्वजनिक संपत्ति के विनाश या सुरक्षा बलों पर हमले का लाइसेंस नहीं बन सकता। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि वह विरोध को भी सम्मान देता है, किंतु विरोध की भी अपनी सीमाएं और जिम्मेदारियां होती हैं। हाल के वर्षों में कुछ आंदोलनों ने यह गंभीर प्रश्न खड़ा किया है कि क्या लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में कानून और व्यवस्था को चुनौती देना स्वीकार्य हो सकता है? यदि कोई प्रदर्शन बैरिकेड तोड़ने, पुलिस पर हमला करने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने अथवा संसद जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्थान की ओर जबरन बढ़ने का प्रयास करे, तो सरकार और सुरक्षा एजेंसियों से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वे केवल मूकदर्शक बनी रहें। राज्य का पहला दायित्व नागरिकों की सुरक्षा और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा करना है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पैलेट गन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने से इनकार करते हुए यह कहना कि असाधारण परिस्थितियों में इसका प्रयोग किया जा सकता है, इसी संतुलित दृष्टिकोण का परिचायक है। न्यायालय ने किसी भी प्रकार के असीमित बल प्रयोग को उचित नहीं ठहराया, बल्कि यह स्पष्ट संकेत दिया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य के पास आवश्यक साधन भी होने चाहिए। यदि सुरक्षा बलों से हर प्रभावी उपाय छीन लिया जाएगा, तो हिंसक भीड़ पर नियंत्रण कैसे स्थापित होगा? यह प्रश्न केवल सरकार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का है। इसका अर्थ यह नहीं कि पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को असीमित अधिकार मिल जाने चाहिए। लोकतंत्र में प्रत्येक कार्रवाई न्यायिक समीक्षा और जवाबदेही के दायरे में रहती है। यदि कहीं बल प्रयोग आवश्यकता से अधिक हुआ हो, तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन जांच का आधार तथ्य होने चाहिए, पूर्वाग्रह नहीं। जिस प्रकार प्रदर्शनकारियों की पीड़ा सुनी जानी चाहिए, उसी प्रकार घायल हुए पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों का पक्ष भी उतनी ही गंभीरता से सुना जाना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलन की संस्कृति पर पुनर्विचार किया जाए। स्वतंत्रता आंदोलन के समय महात्मा गांधी ने सत्याग्रह की ऐसी परंपरा विकसित की थी, जिसमें नैतिक बल सबसे बड़ा हथियार था। सत्याग्रह में विरोध था, परंतु वैमनस्य नहीं। संघर्ष था, परंतु हिंसा नहीं। दृढ़ता थी, परंतु अराजकता नहीं। दुर्भाग्य से आज

कुछ आंदोलनों में संवाद की जगह टकराव, संयम की जगह उग्रता और तर्क की जगह भीड़ की शक्ति को महत्व दिया जाने लगा है। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में परिवर्तन सड़क पर पत्थर फेंकने से नहीं, बल्कि विचार, संगठन, जनजागरण और संवैधानिक प्रक्रियाओं से आता है। यदि हर असहमति हिंसक रूप ले लेगी, तो सबसे अधिक नुकसान उन्हीं युवाओं का होगा, जिनके भविष्य के नाम पर आंदोलन किए जाते हैं। लोकतंत्र की रक्षा भावनाओं से नहीं, बल्कि अनुशासन और उत्तरदायित्व से होती है।

यदि यह मान लिया जाए कि किसी राजनीतिक दल या उसके समर्थकों द्वारा आयोजित आंदोलन में कुछ असामाजिक और हिंसक तत्वों ने प्रवेश कर उसे अराजक दिशा देने का प्रयास किया, तो ऐसी स्थिति में सरकार का प्राथमिक दायित्व कानून-व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है। समय रहते प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई, भले ही उससे कुछ अप्रिय घटनाएं हुई हों, व्यापक अराजकता और राष्ट्रीय संस्थानों को संभावित क्षति से बचाने के उद्देश्य से देखी जा सकती है। साथ ही, लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह भी अपेक्षित है कि विपक्ष जनभावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए हिंसा और तोड़फोड़ से स्पष्ट दूरी बनाए तथा वैध मांगों के समर्थन और अवैध कृत्यों के विरोध के बीच स्पष्ट रेखा खींचे। लोकतंत्र तभी सुदृढ़ होता है जब सरकार कानून के शासन का पालन करे, विपक्ष जिम्मेदार आचरण करे और आंदोलन संविधान की मर्यादाओं एवं शांतिपूर्ण तरीकों के भीतर संचालित हों।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी दल का यह दायित्व है कि वह जनभावनाओं को सकारात्मक दिशा दे। यदि कोई राजनीतिक संगठन या उसके समर्थक आंदोलन के दौरान हिंसा, तोड़फोड़ या कानून हाथ में लेने को प्रोत्साहित करते हैं, तो उसकी लोकतांत्रिक विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य अंग है, लेकिन उसका धर्म केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। यदि किसी भी पक्ष द्वारा जनआंदोलनों का उपयोग केवल राजनीतिक लाभ के लिए किया जाता है, तो अंततः लोकतंत्र ही कमजोर होता है। सरकारों को भी यह आत्ममंथन करना चाहिए कि जनआक्रोश की स्थितियां क्यों बनती हैं। संवाद के द्वार हमेशा खुले रहने चाहिए। पारदर्शी निर्णय, समय पर संवाद और शिकायतों के समाधान की प्रभावी व्यवस्था अनेक आंदोलनों को उग्र होने से पहले ही शांत कर सकती है। लोकतंत्र में शासन का अर्थ केवल कानून लागू करना नहीं, बल्कि विश्वास अर्जित करना भी है।

भविष्य के लिए कुछ स्पष्ट सिद्धांत निर्धारित किए जाने चाहिए। प्रत्येक बड़े आंदोलन के लिए पूर्व अनुमति, निर्धारित मार्ग, आयोजकों की स्पष्ट जवाबदेही, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा, हिंसा की स्थिति में त्वरित पहचान और दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित हो। साथ ही पुलिस को भी भीड़ नियंत्रण के आधुनिक, वैज्ञानिक और न्यूनतम आवश्यक बल के सिद्धांतों पर निरंतर प्रशिक्षित किया जाए। इससे नागरिक अधिकारों और कानून-व्यवस्था के बीच बेहतर संतुलन स्थापित होगा। लोकतंत्र का सौंदर्य इस बात में नहीं कि कितनी जोर से नारे लगाए गए, बल्कि इस बात में है कि कितनी गंभीरता से संवाद हुआ। संसद जनता की आकांक्षाओं का मंदिर है। यदि कोई समूह अपनी बात संसद तक पहुंचाना चाहता है, तो उसका स्वागत होना चाहिए, लेकिन संसद पर दबाव बनाने या उसे घेरने की संस्कृति लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करती है। लोकतंत्र में जनमत सर्वोपरि है, भीड़तंत्र नहीं।

आज भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के साथ-साथ विश्वगुरु बनने की दिशा में भी अग्रसर है। ऐसे समय में हमें विरोध की भी ऐसी संस्कृति विकसित करनी होगी जो विश्व के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करे। हमारे आंदोलन व्यवस्था को तोड़ने के नहीं, व्यवस्था को बेहतर बनाने के माध्यम बनें। हमारे प्रदर्शन राष्ट्र को विभाजित करने के नहीं, लोकतांत्रिक चेतना को समृद्ध करने के साधन बनें। अंततः यह स्मरण रखना होगा कि अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। अधिकारों की रक्षा तभी संभव है जब कर्तव्यों का भी समान रूप से पालन किया जाए। यदि आंदोलन संविधान की मर्यादाओं में रहकर होंगे, तो सरकार भी अधिक उत्तरदायी बनेगी और लोकतंत्र भी अधिक सशक्त होगा। भारत को ऐसे आंदोलनों की आवश्यकता है जो व्यवस्था को चुनौती देने के बजाय उसे सुधारने की प्रेरणा दें। जो युवाओं को उग्रता नहीं, उत्तरदायित्व सिखाएं और जो राष्ट्रहित को दलगत हितों से ऊपर रखकर लोकतंत्र को और अधिक परिपक्व, अनुशासित तथा जनोन्मुख बनाने का मार्ग प्रशस्त करें।

देश | दुनीया से

इसरो के लिए प्रतिभाओं को थामे रखने की चुनौती

भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र अच्छी और बुरी, दोनों वजहों से सुर्खियों में है। अच्छी खबर यह है कि भारत की एक निजी कंपनी, 'स्काईरूट' ने पहला 'एंड-टू-एंड' (आरंभ से अंत तक) निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण मिशन पूरा कर दिखाया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) के दो पूर्व इंजीनियरों द्वारा शुरू की गई इस कंपनी ने अपने रॉकेट, विक्रम-1 की प्रथम उड़ान सफल बनाकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। कंपनी को उम्मीद है कि वह अगले साल इस रॉकेट का उन्नत प्रारूप विक्रम-2 उड़ा पाएगी। इसका मकसद 'लो अर्थ ऑर्बिट' (पृथ्वी की निचली कक्षा) में सैटेलाइट स्थापित करने के अरबों डॉलर के बाजार में उतरना है। बुरी खबर इसरो के बारे में है, जहां से कई बड़े वैज्ञानिक और इंजीनियर नौकरी छोड़कर जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक, यू.आर. राव स्पेस सेंटर, विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर और नेशनल स्पेस एजेंसी की अन्य अहम इकाइयों में काम करने वाले दर्जनों वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने या तो इस्तीफ़ा दे दिया है या समयपूर्व सेवानिवृत्ति ले ली। इनमें से कई वैज्ञानिक भारत की अग्रणी अंतरिक्ष परियोजनाओं, जैसे कि गगनयान मिशन (इंसानों को अंतरिक्ष में भेजने का मिशन), नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्च व्हीकल (एनजीएलवी) और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसे महत्त्वपूर्ण कार्यक्रमों पर काम कर रहे थे। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि अंतरिक्ष विभाग को इस पलायन पर प्रतिबंध लगाने का फ़ैसला करना पड़ा है। उसने निर्देश दिया है कि अहम मिशनों से जुड़े लोगों को परियोजना पूरी होने तक इसरो छोड़ने की इजाज़त नहीं दी जाएगी। सरसरी तौर पर देखें तो भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट का प्रक्षेपण और इसरो से प्रतिभा पलायन (ब्रेन ड्रेन) एक-दूसरे से अलग लग सकते हैं। लेकिन असल में, ये दोनों आपस में जुड़े हुए हैं। इसरो की इकाइयों में इस्तीफ़ों की बाढ़ का सबसे परोक्ष कारण पिछले कुछ वर्षों में निजी क्षेत्र की अंतरिक्ष कंपनियों का उभरना है। यह सरकार के उस फ़ैसले का सीधा नतीजा है, जिसमें निजी कंपनियों को रॉकेट और सैटेलाइट बनाने तथा उनका

प्रक्षेपण करने की इजाज़त दी गई थी। इस नीति के आने से पहले भारतीय भूमि से रॉकेट छोड़ने के काम पर केवल इसरो का एकाधिकार था। सरकार ने न सिर्फ़ निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र के दरवाज़े खोल दिए, बल्कि इसरो को यह भी निर्देश दिया कि वह कंपनियों को अपनी सुविधाओं का इस्तेमाल करने दे। इन सबने एक ऐसी स्थिति बना दी, जिसमें निजी कंपनियों ने इसरो की इंजीनियरिंग प्रतिभाओं को आकर्षक वेतन, सुविधाओं और चुनौतीपूर्ण परियोजनाओं से लुभाकर अपनी ओर खींच लिया। सरकारी संस्थानों से निजी क्षेत्र में प्रतिभा का इस प्रकार का पलायन इसरो के लिए कोई नई बात नहीं है और न ही यह केवल अंतरिक्ष क्षेत्र तक ही सीमित है। अमेरिका का नामी निजी अंतरिक्ष क्षेत्र, नासा द्वारा तैयार और प्रशिक्षित किए गए लोगों (मानव संसाधन) के दम पर ही खड़ा है। सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के आरंभिक दौर में निजी कंपनियों ने अपनी अनुसंधान एवं विकास टीमें इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड और कंप्यूटर मेंटेनेंस कॉर्पोरेशन जैसी सरकारी कंपनियों से लोगों को लाकर तैयार की थीं। ऐसा ही हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) जैसी महत्वपूर्ण सरकारी कंपनियों के मामले में भी हुआ। रक्षा एवं एयरोस्पेस उत्पादन को निजी क्षेत्र के लिए खोलने के बाद, डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइज़ेशन (डीआरडीओ) की प्रयोगशालाओं में भी इसरो जैसी ही स्थिति बनी हुई है। हमारी वैज्ञानिक एजेंसियां, चाहे वे इसरो हों या डीआरडीओ, को आज जिस स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, उसके कारणों पर गहराई से विचार करने की ज़रूरत है।

मार्च 2026 में, अंतरिक्ष विभाग की समीक्षा करने वाली एक संसदीय समिति को बताया गया था कि इसरो की अलग-अलग इकाइयों में कुल मंजूर 18,000 पदों में लगभग 2,800 से अधिक पद खाली पड़े हैं। नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्च व्हीकल जैसी महत्वपूर्ण परियोजना पर काम करने वाले संस्थान, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में भी लगभग 500 पद खाली हैं। एक ओर निजी कंपनियां अनुभवी वैज्ञानिकों को अपनी ओर खींच रही हैं, तो दूसरी तरफ़ इसरो की परियोजनाओं को सरकार से पर्याप्त फंडिंग नहीं मिल रही है। उदाहरण के लिए, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2024 में अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान (एनजीएलवी) प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। इसके तहत रॉकेट विकसित करने हेतु, सुविधा शुरू करने से लेकर प्रक्षेपण तक, 96 महीनों की समय-सीमा तय की गई। मंजूरी की तारीख से 84 महीनों के भीतर पहली विकासात्मक परीक्षण उड़ान का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन मंजूरी मिलने के बाद भी कई माह तक यह परियोजना कागज़ों पर ही रही, क्योंकि 2024-25 के बजट में इसके लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया था। संशोधित अनुमान के तहत 3 करोड़ रुपये का एक प्रतीकात्मक आवंटन किया गया, जिसमें से इसरो 85 लाख रुपये ही खर्च पाया। 2025-26 के बजट में शुरू में 158 करोड़ रुपये रखे गए थे, लेकिन संशोधित अनुमानों में इसे भी घटाकर 39.76 करोड़ रुपये कर दिया। इस धन में से इसरो ने 31 जनवरी, 2026 तक केवल 7.93 करोड़ रुपये इस्तेमाल किए। फंडिंग में देरी और स्टाफ़ की कमी ऐसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं की तय समय-सीमा पर बुरा असर डाल सकती है।

आप का | नजरीया

टूट रहीं संसदीय मर्यादाएं

भारी हंगामे और तीखी नोंकझोंक के बीच लोकसभा में एंटी पेपरलीक संशोधन बिल ध्वनि-मत से पारित करना पड़ा। इस बिल पर 45 सांसदों ने, 10 से ज्यादा घंटे की बहस के दौरान, अपनी बात रखी और संशोधन भी पेश किए, लेकिन बिल पर मत-विभाजन तक नहीं कराया गया। यह लोकतंत्र की सूक्ष्म एवं महत्वपूर्ण अनिवार्यता है। बिल 'हां' अथवा 'ना' के शोर में पारित नहीं कराया जाना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य और विडंबना है कि आज भी यही संसदीय व्यवस्था है। उम्मीद थी कि संसद का मानसून सत्र हंगामाखेज होगा, क्योंकि पेपरलीक के अलावा, राम मंदिर में चंदा-चढ़ावा चोरी, ई-20 एथेनॉल विवाद, परिसीमन, दलबदल सरीखे मुद्दे जन-सरोकार, लोकतांत्रिक शुचिता और आम आदमी की आस्था से जुड़े थे। यह भी अपेक्षा की जा रही थी कि जन-सरोकार के इन मुद्दों पर संसद में सार्थक, संरचनात्मक चर्चा होगी, लेकिन पेपरलीक से जुड़े बिल पर ही हमारे सांसदों की क्षुद्र और विरोधाभासी राजनीति बेनकाब हो गई। इसमें सत्ता-पक्ष के सांसद भी दूध के धुले हुए नहीं हैं। ऐसे एक सांसद ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री दिवंगत जवाहर लाल नेहरू पर ऐसी अभद्र और अश्लील टिप्पणी की, जिसे हम नैतिक रूप से लिखने के भी पक्षधर नहीं हैं। यह न सिर्फ शर्मनाक है, बल्कि संसदीय आचरण और बहस को गर्त में ले जाने वाला भी है। दूसरी ओर, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने, साक्ष्य और प्रमाणित किए बिना ही, बोल दिया कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर पैलेट गन और बर्बर लाठीचार्ज का आदेश गृहमंत्री अमित शाह ने दिया था। देश के 'तथाकथित' गृहमंत्री युवा, छात्र आंदोलन के बाद कांप रहे थे और वह डरे हुए हैं, लिहाजा सदन में मौजूद नहीं हैं। नेता प्रतिपक्ष को ऐसे आरोपों और शब्दों का प्रयोग करने की जरूरत ही क्या थी? यही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि आंदोलन और प्रदर्शन के वक्त गोलीबारी और घातक लाठीचार्ज का अंतिम निर्णय गृहमंत्री या प्रधानमंत्री लेते हैं। ऐसी संसदीय अज्ञानता पर हम क्या टिप्पणी करें? ऐसे आदेश मौके पर मौजूद मजिस्ट्रेट (डीएम या एसडीएम) ही दे सकते हैं। आपात स्थितियों में पुलिस के डीसीपी या एसीपी को भी मजिस्ट्रेट की शक्तियां प्रदान की जाती हैं। अब यह कैसी संसदीय मर्यादा और विरोधाभास है कि विपक्ष मानता है कि आंदोलित युवाओं पर कीलदार लाठियों से हमले किए गए और पैलेट गन भी चलाई गई, लेकिन बिल पर बहस का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री दफ्तर में राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने पैलेट गोलीबारी से साफ इंकार किया है। अलबत्ता आंसू गैस के गोले दागने को जरूर स्वीकार किया है। वस्तुस्थिति यह है कि एम्स की मेडिकल रपट में पैलेट गन की पुष्टि की गई है, लेकिन दिल्ली पुलिस जिस अस्पताल का उल्लेख कर रही है, उसकी रपट में पैलेट की पुष्टि नहीं की गई है। क्या चिकित्सा के पेशेवर अस्पताल की मर्यादा, नैतिकता और शुचिता भी विरोधाभासी हो गई है, लिहाजा मर्यादाएं खंडित हो रही हैं? एक और तथ्य गौरतलब है कि सीआरपीएफ के विशेष बल आरएएफ के डिप्टी कमांडेंट ने संसद मार्ग पुलिस स्टेशन की डायरी में पैलेट गन चलाने की घटना दर्ज कराई है। बताया जा रहा है कि आरएएफ के 12 जवानों के हाथ में पैलेट गन थी। सरकार का बयान भिन्न है, नेता प्रतिपक्ष के आरोप बेहद गंभीर हैं और दिल्ली पुलिस, सुरक्षा बलों के रिकॉर्ड सबसे अलग हकीकत बयां कर रहे हैं! क्या देश की इन व्यवस्थाओं के बीच भी मर्यादा, आचार-संहिता नहीं होनी चाहिए? बहरहाल लोकसभा में बहस हुई, बिल पारित हो गया, राज्यसभा में पारित होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी से कानून भी बन जाएगा, लेकिन कई अहम सवाल फिर भी बरकरार रहेंगे। मसलन-शिक्षा का बजट जीडीपी के 4 फीसदी से घटा कर 2.6 फीसदी क्यों किया गया? भारत में औसत शिक्षा 10 गुना महंगी क्यों हो गई है? सरकारी स्कूल में औसतन पढ़ाई का खर्च 2863 रुपए है, जबकि निजी स्कूल में वही खर्च 25,000 रुपए से अधिक क्यों है? कुछ सवाल हमने पिछले संपादकीय में भी उठाए थे।

बिल 'हां' अथवा 'ना' के शोर में पारित नहीं कराया जाना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य और विडंबना है कि आज भी यही संसदीय व्यवस्था है। उम्मीद थी कि संसद का मानसून सत्र हंगामाखेज होगा, क्योंकि पेपरलीक के अलावा, राम मंदिर में चंदा-चढ़ावा चोरी, ई-20 एथेनॉल विवाद, परिसीमन, दलबदल सरीखे मुद्दे जन-सरोकार, लोकतांत्रिक शुचिता और आम आदमी की आस्था से जुड़े थे। यह भी अपेक्षा की जा रही थी कि जन-सरोकार के इन मुद्दों पर संसद में सार्थक, संरचनात्मक चर्चा होगी, लेकिन पेपरलीक से जुड़े बिल पर ही हमारे सांसदों की क्षुद्र और विरोधाभासी राजनीति बेनकाब हो गई। इसमें सत्ता-पक्ष के सांसद भी दूध के धुले हुए नहीं हैं। ऐसे एक सांसद ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री दिवंगत जवाहर लाल नेहरू पर ऐसी अभद्र और अश्लील टिप्पणी की, जिसे हम नैतिक रूप से लिखने के भी पक्षधर नहीं हैं। यह न सिर्फ शर्मनाक है, बल्कि संसदीय आचरण और बहस को गर्त में ले जाने वाला भी है। दूसरी ओर, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने, साक्ष्य और प्रमाणित किए बिना ही, बोल दिया कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर पैलेट गन और बर्बर लाठीचार्ज का आदेश गृहमंत्री अमित शाह ने दिया था। देश के 'तथाकथित' गृहमंत्री युवा, छात्र आंदोलन के बाद कांप रहे थे और वह डरे हुए हैं, लिहाजा सदन में मौजूद नहीं हैं।

कुछ | अलग

हमारे भारतरत्न

भारत वर्ष में जो भी पैदा हो गया, जो भी इसकी मिट्टी में खेल लिया, वही भारतरत्न है। मेरे पिता प्रारंभ से ही राष्ट्रवादी रहे, इसलिए उन्होंने मेरा नाम ही भारतरत्न रख दिया। इस नाम पर मैं आज गर्व से फूला नहीं समाता। एक तरफ भारतरत्न के लिए मारा-मारी मची हुई है, वहीं मैं शांत मन से स्वमेव भारतरत्न होने की उमंग से सराबोर हूं। काश, मुझे भारतरत्न मिल भी जाए तो इसे लगाऊंगा कहां? भारतरत्नों की जो हालत है वह किसी से छिपी हुई नहीं है। इसे अंधे की रेवड़ी बनाने से क्या फायदा है। वर्षों तक भारतरत्नों की उपेक्षा करते रहे, आज यकायक नींद खुली तो भारतरत्नों को खोजने के अलावा कोई कार्य ही नहीं रहा। जिसे देखो, वही भारतरत्न नजर आता है। मैं अपने मामले में तो सरकार को आश्वस्त किए देना चाहता हूं कि वह मेरे मसले पर चिंतित न हो। मैं तो बना-बनाया भारत का भारतरत्न हूं। कई बार सोचता हूं कि प्रत्याशी भारतरत्न के काबिल होता है, लेकिन सरकार देना नहीं चाहती। मेरे मामले में ऐसी चिंता की कोई बात नहीं है। मेरे देश की मिट्टी इतनी पवित्र और उच्च कोटि की है कि इसे सिर पर लगाकर हजारों लोग शहीद हो गए, वे सब भारतरत्न ही तो थे। स्वाधीनता आंदोलन का सौ वर्षों का इतिहास भी इसी का साक्षी है कि जो भी इसमें प्राण न्यौछावर कर सका, वही मेरी माता भारत का रत्न ही था। मां हर बेटे को रत्न मानती है तथा जन्म से पालती है। हर बेटे की कुर्बानी उसे समान सुख और दुःख देती है। इसलिए भारतरत्न की महत्ता अप्रासंगिक नहीं है। देश में भारतरत्नों का होना परमावश्यक है। रत्न व्यवसायियों का मानना है कि रत्न अनेक प्रकार के होते हैं। महंगे, बहुत महंगे तथा बहुत सस्ते भी।

दृष्टि | कोण

कांगड़ा घाटी रेलवे : उपेक्षा नहीं, पुनर्जीवन जरूरी

किसी भी राष्ट्र की प्रगति का आकलन केवल इस आधार पर नहीं किया जाता कि उसने कितनी नई सडकें, पुल, हवाई अड्डे या आधुनिक परियोजनाएं बनाई हैं। किसी देश की वास्तविक पहचान इस बात से भी तय होती है कि वह अपनी ऐतिहासिक धरोहरों, सांस्कृतिक विरासत और जनहित से जुड़ी संस्थाओं का संरक्षण किस प्रकार करता है। विकास का अर्थ केवल नया निर्माण नहीं, बल्कि उस विरासत को भी सुरक्षित रखना है जिसने दशकों तक समाज की सेवा की हो। इसी कसौटी पर यदि हिमाचल प्रदेश की ऐतिहासिक पठानकोट-जोगिंद्रनगर नैरो गेज कांगड़ा घाटी रेलवे को देखा जाए तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि लगभग एक शताब्दी पुरानी यह अमूल्य धरोहर आज उपेक्षा, अनिश्चितता और संसाधनों की कमी के दौर से गुजर रही है। सन-1929 में आरंभ हुई यह रेल लाइन केवल लोहे की पटरियों पर दौड़ती एक ट्रेन नहीं है, बल्कि हिमाचल प्रदेश, विशेषकर कांगड़ा घाटी की सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा है। पिछले लगभग सौ वर्षों से इस रेलमार्ग ने लाखों लोगों के जीवन को सरल बनाया है। विद्यार्थी शिक्षा के लिए, कर्मचारी अपने कार्यस्थलों तक पहुंचने के लिए, छोटे व्यापारी अपने व्यापार के लिए, किसान कृषि उत्पादों के परिवहन के लिए, सैनिक परिवार आवागमन के लिए तथा देश-विदेश से आने वाले पर्यटक प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने के लिए इस रेल सेवा का उपयोग करते रहे हैं। अनेक लोगों के लिए यह केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव और स्मृतियों का हिस्सा भी है। यह रेलमार्ग हिमालय की गोद में बसे छोटे-छोटे कस्बों और गांवों को जोड़ते हुए धौलाधार पर्वतमाला, चाय बागानों, नदियों, घाटियों और सुरंगों के बीच से गुजरता है। इसकी प्राकृतिक सुंदरता इसे देश के सबसे मनोहारी रेलमार्गों में स्थान दिलाती है। यदि इसे उचित रूप से विकसित किया जाए तो यह विश्वस्तरीय पर्यटन आकर्षण बन सकता है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि प्रत्येक वर्ष बरसात के

मौसम में भूस्खलन, चट्टानों और मलबे के ट्रैक पर आने, नालों के उफान तथा कई पुराने पुलों की जर्जर स्थिति के कारण रेल सेवाएं बार-बार बाधित हो जाती हैं। कई बार सप्ताहों तक रेल संचालन बंद रहता है। इससे सबसे अधिक परेशानी आम यात्रियों को होती है, जिन्हें मजबूर होकर महंगे और सीमित सडक परिवहन का सहारा लेना पड़ता है। इससे स्थानीय व्यापार, पर्यटन और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होती है। विचारणीय प्रश्न यह है कि जब ये समस्याएं दशकों से ज्ञात हैं, तो इनके स्थायी समाधान के लिए समय रहते प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए गए? हर वर्ष बरसात आने के बाद मरम्मत कार्य करना स्थायी समाधान नहीं हो सकता। आवश्यकता इस बात की है कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर दीर्घकालिक योजना बनाई जाए। रेलवे को संवेदनशील क्षेत्रों की विस्तृत भू-वैज्ञानिक मैपिंग करवानी चाहिए। जहां बार-बार भूस्खलन होता है, वहां आधुनिक रॉक नेटिंग, रॉक बोल्टिंग, रिटेनिंग वॉल, ड्रेनेज सुधार, ढलानों का वैज्ञानिक स्थिरीकरण, गेबियन संरचनाएं तथा भूस्खलन की पूर्व चेतावनी देने वाली निगरानी प्रणाली विकसित की जानी चाहिए। आज देश और दुनिया के अनेक पर्वतीय रेलमार्गों पर ऐसी तकनीकों का सफल उपयोग हो रहा है। कांगड़ा घाटी रेलवे भी इससे वंचित क्यों रहे? इसी प्रकार लगभग एक शताब्दी पुराने अनेक पुलों का विस्तृत तकनीकी ऑडिट कर चरणबद्ध सुदृढ़ीकरण आवश्यक है। कई स्थानों पर ट्रैक का नवीनीकरण, आधुनिक सिग्नल प्रणाली तथा नियमित रखरखाव समय की मांग है।

पंजाब के मुख्यमंत्री बताएं कितनी घोषणाएं पूरी हुई : सीएम नायब सैनी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री से सवाल किया कि वे प्रदेश की जनता को बताएं कि पिछले विधानसभा चुनाव में की गई 56 घोषणाओं में से कितनी पूरी हुई हैं, अगले चुनाव होने में मात्र 4 माह शेष हैं, क्या वे सभी घोषणाओं को पूरा कर देंगे। सैनी शुक्रवार को पंजाब के सनौर में सरदार उधम सिंह जी के 87वें शहीदी दिवस पर आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सरदार उधम सिंह को नमन करते हुए कहा कि पंजाब में भाजपा सरकार ही सरदार उधम सिंह द्वारा युवाओं के विकास के लिए देखे गए सपनों को पूरा कर सकती है। उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि केवल नारों से नहीं नियत से राज्य का विकास होता है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब में एक्साइज इंस्पेक्टर की भर्ती में गड़बड़ी होने का आरोप लगाते हुए आप सरकार को घेरा और इसे प्रतिभावान युवाओं के साथ बहुत बड़ा धोखा बताया। उन्होंने कार्यक्रम में एक वक्ता द्वारा *पंजाब सरकार ने 30 प्रतिशत चुनावी वायदे पूरे किए* का हवाला देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान बताएं कि उन्होंने गत चुनाव में की गई कितनी घोषणाओं को पूरा कर लिया है? और क्या शेष 4 माह में बाकी घोषणाओं को पूरा कर देंगे। सैनी ने कहा कि हरियाणा में हमारी सरकार इसी भावना पर काम कर रही है। उन्होंने हरियाणा सरकार द्वारा किसानों, महिलाओं तथा युवाओं के हित में किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने चुनावी संकल्प पत्र में 217 संकल्प लिए थे जिनमें से 70 संकल्प तो मात्र डेढ़ साल में ही पूरे कर दिए हैं, बाकि के 147 संकल्प भी बहुत जल्द पूरे कर देंगे। उन्होंने पंजाब की जनता को शहीद सरदार उधम सिंह के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया और कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो महापुरुषों का सम्मान कर देश को विकसित और संस्कारित करने की दिशा में काम कर रही है। नायब सिंह सैनी ने पंजाब की जनता में जोश भरते हुए कहा कि एक उधम सिंह ने इक्कीस वर्षों तक अपना संकल्प निभाया और एक साम्राज्य की नींव हिला दी। आज अगर साढ़े तीन करोड़ पंजाबी अपने संकल्प निभा लें, तो पंजाब की तकदीर बदलने से दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक सकती। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री परनीत कौर, कार्यक्रम के आयोजक हरदीप सिंह कंबोज, बाबा ब्रह्मदास जी महाराज, स्वामी राजेश्वरानंद महाराज, संत महेश मुनि जी महाराज समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी का किया स्वागत

जयपुर (हिंस)। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के प्रयासों से अपनी मांगों के समाधान की उम्मीद जगी तो आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और ग्राम साथिनों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया। शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री के पीडब्ल्यूडी कार्यालय पहुंचने पर बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने उनका आभार व्यक्त करते हुए लंबित मांगों पर सकारात्मक पहल की उम्मीद जताई। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और ग्राम साथिनों ने मानदेय में वृद्धि, ग्रेच्युटी भुगतान सहित विभिन्न लंबित मांगों पर सरकार की ओर से सकारात्मक रुख अपनाए जाने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार से मिले भरोसे के बाद उन्हें उम्मीद है कि उनकी मांगों पर शीघ्र ही उचित निर्णय लिया जाएगा। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और ग्राम साथिनों की समस्याओं को गंभीरता से ले रही है। सरकार उनकी मांगों और समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रही है।

तीन अगस्त को भारी बहुमत से जीतेगी भाजपा बांकीपुर में फिर खिलेगा कमल : अजय आलोक

पटना (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने शुक्रवार को भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में जन सुराज और उसके सूत्रधार प्रशांत किशोर पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ऐतिहासिक और अभूतपूर्व बहुमत से जीत दर्ज करने जा रही है। उन्होंने कहा कि बांकीपुर की जनता ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि उसका विश्वास भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में है। अजय आलोक ने बांकीपुर की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मतदान के दौरान जनता का उत्साह स्पष्ट संकेत दे रहा है कि भाजपा का जनाधार पहले से अधिक मजबूत हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे चुनाव के दौरान राजद और जन सुराज के बीच एक साइलेंट अंडरस्टैंडिंग देखने को मिली। उन्होंने कहा कि कई मतदान केंद्रों पर राजद के कार्यकर्ता अपने समर्थकों को दूसरे प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित करते नजर आए, जिससे दोनों दलों की अंदरूनी रणनीति उजागर हो गई। प्रशांत किशोर पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जिनका नाम प्रशांत किशोर है, वे न प्रशांत हैं और न किशोर, बल्कि *प्रखर कुटिल* हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जो व्यक्ति पहले लगातार राजद और तेजस्वी यादव पर हमला बोलता था, उसने पूरे चुनाव में एक बार भी राजद के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं की। इससे स्पष्ट है कि भाजपा को हराने के उद्देश्य से विपक्षी दलों के बीच अंदरखाने समझौता किया गया था। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि चुनाव समाप्त होने के कुछ ही मिनटों बाद फर्जी सर्वे और एग्जिट पोल के माध्यम से भ्रम फैलाने का प्रयास किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और कथित सर्वे एजेंसियों के जरिए जनता के बीच कृत्रिम माहौल बनाने की कोशिश हुई, लेकिन जनता ने इन हथकंडों को पूरी तरह नकार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने संगठन और कार्यकर्ताओं के फीडबैक पर भरोसा करती है, न कि प्रायोजित सर्वेक्षणों पर। अजय आलोक ने आरोप लगाया कि चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद भी जन सुराज के बाहरी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में बांकीपुर और पटना में डेरा डाले रहे तथा चुनावी नियमों की अनदेखी की गई। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इस संबंध में चुनाव आयोग से आधिकारिक शिकायत भी की, जबकि विपक्षी दलों ने कोई आपत्ति नहीं जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले ही अराजकता का माहौल बनाने और बाद में हार का ठीकरा प्रशासन एवं चुनाव आयोग पर फोड़ने की रणनीति तैयार कर ली गई थी। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करता है और चुनाव प्रचार समाप्त होते ही क्षेत्र छोड़ देता है, लेकिन जन सुराज ने सहानुभूति और राजनीतिक लाभ के लिए विवाद खड़ा करने का प्रयास किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया, धनबल और बाहुबल के सहारे बिहार की राजनीति में नया प्रयोग करने की कोशिश की गई।

ऊंट से टकराकर सेना की एसयूवी पलटी मेजर की मौत दो लेफ्टिनेंट गंभीर घायल

जैसलमेर (हिंस)। जिले के थईयात आर्मी क्षेत्र में गुरुवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में भारतीय सेना के एक मेजर की मौत हो गई, जबकि दो लेफ्टिनेंट गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब सेना की टाटा सफारी अचानक सामने आए ऊंट से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एसयूवी चार से पांच बार पलटते हुए करीब 100 मीटर तक घिसटती चली गई। हादसे में ऊंट की भी मौके पर ही मौत हो गई। सदर थाना पुलिस के एएसआई जगदीश चारण ने बताया कि बीती रात मेजर हमजा आरिफ (26) अपने दो साथियों लेफ्टिनेंट आयुष्मान और लेफ्टिनेंट अभिनव राठौड़ के साथ ड्यूटी पूरी कर आर्मी स्टेशन लौट रहे थे। आर्मी स्टेशन से करीब 18 किलोमीटर दूर थईयात क्षेत्र में अचानक सड़क पर ऊंट आ जाने से वाहन अनियंत्रित होकर उससे टकरा गया। टक्कर के बाद वाहन कई बार पलट गया और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। तीनों सेना अधिकारियों को तत्काल आर्मी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मेजर हमजा आरिफ को मृत घोषित कर दिया। दोनों घायल लेफ्टिनेंट का अस्पताल में उपचार जारी है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश निवासी मेजर हमजा आरिफ की एक महीने पहले ही शादी हुई थी। उनकी असमय मौत से परिवार और सेना में शोक की लहर है। चारण ने बताया कि हादसे के बाद स्थानीय पुलिस और मिलिट्री पुलिस ने संयुक्त रूप से मामले की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

लव जिहाद के आरोप को लेकर कमिश्नरेट के बाहर प्रदर्शन

जोधपुर (हिंस)। गत बीस जुलाई को लापता हुई एक युवती के मामले में अब उसके परिजनों ने लव जिहाद, युवती के अपहरण व धर्म परिवर्तन की धमकी देने का आरोप लगाया है। परिजनों व हिंदूवादी संगठनों ने शुक्रवार को इसको लेकर पुलिस कमिश्नरेट के बाहर प्रदर्शन किया और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस कमिश्नर को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि बासनी में रहने वाली एक युवती को उसकी सहेली का भाई गंगाणा निवासी मोहम्मद अनस जबरदस्ती अपने साथ ले गया है। युवती बीस जुलाई को बाजार से अपना सामान लेने के लिए निकली, इसके बाद वापस घर नहीं आई। तब परिवार के सदस्यों ने उसको ढूंढा तो पता चला कि मोहम्मद अनस व उसके साथियों द्वारा उसको गुप्त स्थान पर बिना इच्छा के उसको रोक रखा है। उसको डरा-धमका कर कई दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाए हैं। वर्तमान में अनस के परिवार व अन्य द्वारा खुलेआम धमकी दी जा रही है कि वे कुसुम का धर्म परिवर्तन करवाकर रहेंगे। इस कृत्य के कारण प्रार्थी व उसके परिवार के सदस्यों की धार्मिक भावना को ठेस पहुंची है। पुलिस थाना में शिकायत देने के बाद सिर्फ गुमशुदगी दर्ज की गई। इससे पहले करीब एक माह पूर्व भी आरोपी ने अपने साथियों के साथ युवती के मकान में अनाधिकृत रूप से प्रवेश कर डराया-धमकाया व जान से मारने की धमकी दी थी। उन लोगों ने युवती के माध्यम से परिजनों के सोने चांदी के जेवरात व नकद राशि चुराने का कृत्य भी किया है।

अमृतपाल के बाद पंजाब का गुरप्रीत सिंह भी एफबीआई की वांछित सूची में, संगठित अपराध के आरोप

चंडीगढ़ (हिंस)। फरवरी, 2025 में सड़क हादसे में मौत का शिकार हुए पंजाब के अमृतपाल सिंह को वांछित घोषित करके तस्वीर जारी करने के बाद अब अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने पंजाब के एक अन्य युवक गुरप्रीत सिंह को कथित अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध मामले में वांछित घोषित किया है। एफबीआई के अनुसार गुरप्रीत सिंह पर बिना लाइसेंस हथियारों का कारोबार करने, मादक पदार्थों की तस्करी की साजिश रचने और नशीले पदार्थों के वितरण में शामिल होने के आरोप हैं। एजेंसी का दावा है कि वह एक अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक संगठन से जुड़ा हुआ था। एफबीआई का आरोप है कि पंजाब से शुरू हुआ जग्गू भगवानपुरिया संगठित अपराध गिरोह अमेरिका के कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट सहित कई अन्य स्थानों पर सक्रिय था। अमेरिका की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया स्थित लॉस एंजिलिस जिला अदालत ने 25 जून को गुरप्रीत सिंह के खिलाफ संघीय गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। उस पर मादक पदार्थ रखने, उन्हें वितरित करने की साजिश और नशीले पदार्थों की आपूर्ति से संबंधित आरोप लगाए गए हैं। इससे दो दिन पहले एफबीआई ने अमृतपाल सिंह की तस्वीर भी वांछित के रूप में जारी की थी। हालांकि, अमृतपाल के परिवार ने बताया कि वह कनाडा से लौटकर जालंधर जिले के मोवाई गांव में रह रहा था और 19 फरवरी, 2025 को खेत से लौटते समय सड़क हादसे में उसकी मौत हो गई थी। जून में अमेरिका की ओर से अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध नेटवर्क के खिलाफ चलाए गए बड़े अभियान में जेल में बंद पंजाब के गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और जग्गू भगवानपुरिया सहित कुल 37 आरोपियों के नाम सामने आए थे। इस अभियान को *ऑपरेशन हार्ड बॉल* नाम दिया गया था।

पंजाब कांग्रेस में कोई गुटबाजी नहीं, सभी नेता मिलकर काम करेंगे : भूपेश बघेल

फतेहगढ़ साहिब (हिंस)। पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल ने प्रदेश इकाई में गुटबाजी की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि मीडिया और कुछ लोग इस मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पंजाब कांग्रेस के सभी नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में एकजुट होकर काम करेंगे। फतेहगढ़ साहिब में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बघेल ने कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी सहित पंजाब कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर चुके हैं और अपनी रिपोर्ट पार्टी हाईकमान को सौंप दी है। उन्होंने कहा कि चन्नी की कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल से हुई मुलाकात के बाद यह और स्पष्ट हो गया है कि प्रदेश का पूरा नेतृत्व एकजुट रहेगा। चरणजीत सिंह चन्नी और पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग द्वारा बरनाला तथा फरीदकोट में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाने के सवाल पर बघेल ने कहा कि दोनों वरिष्ठ नेता हैं और अपने-अपने निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालिया कथित लाठीचार्ज में घायल हुए लोगों के समर्थन के मुद्दे पर दोनों नेता एकजुट हैं। बसी पठाना से संबंधित चन्नी के भाई डॉ. मनोहर सिंह और इंटक से जुड़े विवाद पर बघेल ने कहा कि कांग्रेस के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले नेताओं को पार्टी कार्यक्रमों में आमंत्रित नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इंटक कांग्रेस से संबद्ध संगठन है, लेकिन उससे जुड़े सभी लोग कांग्रेस के आधिकारिक सदस्य हों, यह जरूरी नहीं है। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए बघेल ने आरोप लगाया कि 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान विद्यार्थियों पर हुआ कथित लाठीचार्ज केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में हुआ था। उन्होंने सवाल उठाया कि छात्रों से गृह मंत्री के बजाय भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मुलाकात क्यों की। बघेल ने इसे प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के बीच मतभेदों से जोड़ते हुए दावा किया कि संसद में कई विधेयक अब अन्य मंत्री पेश कर रहे हैं।

गाजियाबाद में पांच हजार करोड़ का घोटाला, दो कंपनियों पर लगे आरोप

गाजियाबाद (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद के थाना कवि नगर में वैदिक आयुरक्योर कंपनी और एक्सिस ई-कॉर्पोरेशन के खिलाफ पांच हजार करोड़ रुपए के बड़े घोटाले का मामला दर्ज किया गया है। अधिवक्ता महेश कुमार वर्मा की शिकायत पर दस लोगों को नामजद किया गया है। इन पर लोगों को निवेश के नाम पर ठगने का आरोप है। एसीपी कविनगर सिद्धार्थ गौतम ने शुक्रवार को बताया कि अधिवक्ता महेश कुमार वर्मा के मुताबिक कंपनियों ने नौ हजार रुपए की आईडी पर प्रतिमाह 1100 रुपए रिटर्न और घरेलू सामान पर 33 फीसदी छूट देने का वादा किया था। शुरुआत में निवेशकों को लाभ मिला, जिससे उनका विश्वास बढ़ा। पंकज सोनी सेठ ने गाजियाबाद में कई बैठकें आयोजित कीं। कंपनियों ने विश्वास जमाने के लिए ग्रोसरी की दुकानें भी खोलीं। निवेशकों से ग्रोसरी स्टोर के नाम पर लाखों रुपए के समझौते किए गए। बाद में कंपनियां धीरे-धीरे गायब हो गईं और निवेशकों का पैसा हड़प लिया। महेश वर्मा का आरोप है कि कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फैजान खान पर दुबई भाग गए हैं। वह व्हाट्सएप के माध्यम से वीडियो भेजकर निवेशकों को पैसे वापस देने का आश्वासन दे रहा है। हालांकि कंपनी ने अपना ऑनलाइन सिस्टम भी बंद कर दिया है। उन्होंने बताया कि फैजान खान सहित कुल दस लोगों को इस धोखाधड़ी का मुख्य षडयंत्रकर्ता बताया गया है। इनके खिलाफ भारत के कई जिलों में भी एफआईआर दर्ज हैं। शिकायतकर्ता महेश कुमार वर्मा ने स्वयं 6.50 लाख रुपए का निवेश किया था। उनके अलावा, हरिश हितैषी ने दो लाख रुपए और मांगेराम ने तीन लाख रुपए का निवेश किया। संजय एलआईसी पिलखुवा और उनके स्टाफ ने करीब 36 लाख रुपए लगाए।

अकाली दल बरनाला लाठीचार्ज और पेपर लीक मामले में गवर्नर से मिला, सीबीआई जांच की मांग

चंडीगढ़ (हिंस)। शिरोमणि अकाली दल ने शुक्रवार को पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुला ?ात की। शिअद प्रतिनिधिमंडल ने बरनाला में अनुसूचित जाति की महिलाओं और सफाई कर्मचारियों पर कथित लाठीचार्ज की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच करवाने की मांग की। साथ ही पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार के कार्यकाल के दौरान सामने आए पेपर लीक मामलों की सीबीआई जांच के आदेश देने की मांग की गई है। अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात कर दो ज्ञापन सौंपे। एक ज्ञापन में बरनाला की घटना के लिए जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की गई, जबकि दूसरे में भर्ती परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं से प्रभावित लाखों विद्यार्थियों के भविष्य को सुरक्षित करने का आग्रह किया गया। सुखबीर बादल ने कहा कि पार्टी ने बरनाला घटना की जांच पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में कराने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार पुलिस का इस्तेमाल लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए कर रही है। अकाली दल ने डीएसपी सतवीर सिंह बैंस और अन्य संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज करने तथा उन्हें सेवा से बर्खास्त करने की मांग भी की। बादल ने कहा कि घायल सफाई कर्मचारियों को उचित चिकित्सा उपचार और पर्याप्त मुआवजा नहीं दिया जा रहा। उन्होंने सरकार से सफाई कर्मचारियों के साथ सार्थक बातचीत कर उनकी लंबे समय से लंबित मांगों का जल्द समाधान करने की अपील की। अकाली दल ने डिजिटल अभिलेखों, सीसीटीवी फुटेज, सर्वर, संचार रिकॉर्ड और परीक्षा संबंधी दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच के साथ पिछले साढ़े चार वर्षों में राज्य एजेंसियों द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं का व्यापक लेखा-परीक्षण कराने की भी मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को सरकारी भर्तियों में कथित दस पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं के बारे भी जानकारी दी। अकाली दल ने आरोप लगाया कि इन मामलों के पीछे संगठित नेटवर्क और नौकरियों के बदले पैसे लेने वाला गिरोह हो सकता है। पार्टी ने मुख्यमंत्री, मंत्रियों, आप नेताओं, सरकारी कर्मचारियों और निजी व्यक्तियों की भूमिका की सीबीआई से जांच कराने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने फार्मेसी अधिकारी परीक्षा में ब्लूटूथ रिसीवर और छोटे हेडफोन जैसे उपकरणों के कथित इस्तेमाल का हवाला दिया।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.3PSC/E-10/2026-2027

NOTIFICATION

In continuation of this office **Advt. No. 01/2026** vide letter **No.8PSC/E-11/2025-2026 Dated** Guwahati the **10th April, 2026** and subsequent Notification **No.219PSC/CON/Exam-28/2025-2026** dated Guwahati the **30th July,2026,** attention is hereby drawn for the candidates who have qualified to appear in the Combined Competitive (Main) Examination, 2025.

1. **The application process for Combined Competitive (Main) Examination, 2025 will be in online mode only.**
2. Prescribed online application forms for the **Combined Competitive (Main) Examination, 2025** will be available in the Assam Public Service Commission's website www.apsc.nic.in. The Online Applications can be filled up from **4th August, 2026 12:00 Noon** to **24 August, 2026** till **5:00 P.M.,** after which the link will be disabled. Last date for payment of prescribed fee is **26th August, 2026 till 5:00 P.M.** Candidates must note the following:-
   i. The Candidates must read the 'Guidelines' and 'How to Apply' before filling up the application form.
   ii. The candidates may download the syllabus for **Combined Competitive (Main) Examination, 2025** from the Commission's website www.apsc.nic.in>CCE (Main) Syllabus.
   iii. Only those PWBD candidates who have earlier applied for Scribe at the time of **Combined Competitive (Preliminary) Examination, 2025** will get Scribe for the **Combined Competitive (Main) Examination, 2025** upon application for the same addressing the Commission with valid documents as mentioned in the **Appendix-II (Certificate regarding physical limitation in an examinee to write)** and **Appendix-III (Candidates opting for own Scribe) of the Advt. No. 01/2026 thirty (30)** days before scheduled date of **Combined Competitive (Main) Examination, 2025.** Candidates can send hard copy of their application to the Commission's office or email at **apsc-asm@nic.in**.
   iv. Candidates have to choose their order of preference(s) among the Services/Posts advertised through the **Advt. No.01/2026** vide letter **8PSC/E-11/2025-2026** Dated Guwahati the **10th April, 2026.** Candidature will be considered only for those cadres/ posts that he/she has chosen while submitting the online application form for **Combined Competitive (Main) Examination, 2025.**
3. **The Commission will hold the Combined Competitive (Main) Examination, 2025 at Guwahati Centre as per programme given below.**

Date	Forenoon (09:00 AM to 12:00 P.M.)	Afternoon (01:30 AM to 04:30 P.M.)
09.10.2026 (Friday)	**Paper-1 Essay**	**Paper-2 General Studies-I**
10.10.2026 (Saturday)	**Paper-3 General Studies-II**	**Paper-4 General Studies-III**
11.10.2026 (Sunday)	**Paper-5 General Studies-IV**	**Paper-6 General Studies-V**

N.B. - The list of candidates along with Roll Nos. and e-Admission Certificates will be uploaded by 18th September, 2026 and 19th September, 2026 respectively in the Commission's website www.apsc.nic.in. No e-Admission Certificates shall be sent separately by post.

4. The **Roll No.** of the candidates for the **Combined Competitive (Main) Examination, 2025** will remain the same as that of **Combined Competitive (Preliminary) Examination, 2025.**
5. **FEES FOR C.C. (MAIN) EXAMINATION:**
   Under the Digital India initiative by Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY), Government of India, APSC has decided to launch its Online Recruitment portal with the help of CSC-SPV, a MeitY approved organization, which will charge a processing fee of Rs. 47.20/- from each candidate.

Sl. No.	Category	Application fee (Rs.)	Processing Fee Charged by CSC-SPV (Rs.)	Total Amount (Rs.)
1.	General	250	47.20	297.20
2.	OBC/MOBC	150	47.20	197.20
3.	SC/ST/BPL/PwBD/ Women	Nil	47.20	47.20

***Mode of Payment* : Candidate can pay their application fees through Internet Banking/Debit Card/ Credit Card only.**
   i. Candidates appearing in the examination should also bring with him / her extra copies of the photograph similar to the one uploaded in the online application form to the Examination Hall.
   ii. The **e-Admission Certificate** will be uploaded in the Commission's website. The candidates should download the same and check carefully to ensure that the particulars on the **e-Admission Certificate** are correct. In case, there is any error in the **e-Admission Certificate,** it should be brought to the notice of the Commission by an e-mail with a request to issue correct **e-Admission Certificate. No candidate will be allowed to enter into the Examination Hall without e-Admission Certificate.**
6. Candidates will have to appear in the Examination only at the Venue mentioned in his/ her e-Admission Certificate.

N: B:-
1. **No change shall be entertained once online application is successfully submitted.**
2. **If any information submitted by the candidates while filling online application form for Combined Competitive (Preliminary) Examination, 2025 and Combined Competitive (Main) Examination, 2025 is found wrong/incorrect at any stage, his/her candidature will be liable to cancellation.**
3. **The candidates should contact the Commission, through email apsc-asm@nic.in or 1800-572-2343 in case of any assistance regarding filling up the online application form for Combined Competitive (Main) Examination, 2025**

Sd/-
secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- DIPR /D/VBS-43/1-Aug-26

पहली तिमाही में टाटा स्टील का शानदार प्रदर्शन, भारत में मुनाफा 35 प्रतिशत बढ़कर 4,668 करोड़ रुपये

नई दिल्ली

टाटा स्टील ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) के वित्तीय परिणामों में मजबूत प्रदर्शन दर्ज करते हुए घरेलू कारोबार में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की है। चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद कंपनी ने लाभप्रदता, परिचालन दक्षता और बिक्री के मोर्चे पर बेहतर प्रदर्शन किया है। कंपनी का भारत में कर पश्चात लाभ (पीएटी) सालाना आधार पर लगभग 35 प्रतिशत बढ़कर 4,668 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि समेकित (कंसोलिडेटेड) कर पश्चात लाभ 19 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,385 करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

कंपनी की विज्ञप्ति के अनुसार, पहली तिमाही में समेकित राजस्व 60,794 करोड़ रुपये रहा, जबकि समेकित ईबीआईटीडीए 9,370 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है। भारत में कंपनी का राजस्व 36,989 करोड़ रुपये रहा और ईबीआईटीडीए 9,908 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इस दौरान भारत में ईबीआईटीडीए मार्जिन 27 प्रतिशत रहा, जबकि प्रति टन ईबीआईटीडीए बढ़कर 19,162 रुपये हो गया, जो कंपनी की बेहतर परिचालन क्षमता और लागत नियंत्रण को दर्शाता है।

उत्पादन और आपूर्ति के मोर्चे पर भी कंपनी का प्रदर्शन संतोषजनक रहा। अप्रैल-जून तिमाही के दौरान भारत में 5.76 मिलियन टन कच्चे इस्पात का उत्पादन किया गया, जबकि 5.17 मिलियन टन इस्पात की डिलीवरी की गई। कंपनी ने बताया कि मेरामंडली और कलिंगानगर संयंत्रों में निर्धारित रखरखाव कार्य के कारण उत्पादन और आपूर्ति पर सीमित असर पड़ा, लेकिन आगामी महीनों में परिचालन पूरी तरह सामान्य होने की उम्मीद है।

टाटा स्टील के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक टी. वी. नरेंद्रन ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में चुनौतियों और पश्चिम एशिया की परिस्थितियों के बावजूद भारत कंपनी की वृद्धि का प्रमुख आधार बना हुआ है। उन्होंने बताया कि घरेलू डिलीवरी में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि आटोमोटिव एवं स्पेशल प्रोडक्ट्स कारोबार ने पहली तिमाही का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इसके अलावा कंपनी के प्रमुख ब्रांड टाटा टिस्कान और टाटा स्टीलियम की बिक्री में भी 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई, जो बाजार में ब्रांडेड इस्पात उत्पादों की मजबूत मांग को दर्शाती है।

कंपनी के निदेशक (वित्त) कौशिक चटर्जी ने बताया कि पहली तिमाही के दौरान 3,579 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) किया गया। तिमाही के अंत तक कंपनी का शुद्ध ऋण 84,173 करोड़ रुपये रहा, जबकि समूह की कुल तरलता 45,950 करोड़ रुपये दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि कंपनी की मजबूत वित्तीय स्थिति उसे भविष्य की विस्तार योजनाओं को गति देने में सक्षम बनाएगी।

उन्होंने बताया कि निदेशक मंडल ने नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) में 4.8 मिलियन टन क्षमता विस्तार परियोजना को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना पर 33,873 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। कंपनी का मानना है कि इस निवेश से लंबे इस्पात उत्पादों के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और ब्रांडेड रिटेल कारोबार में भी उसकी प्रतिस्पर्धी स्थिति और मजबूत होगी।

टाटा स्टील का कहना है कि घरेलू बाजार में बढ़ती मांग, मूल्यवर्धित उत्पादों पर बढ़ता फोकस, बेहतर परिचालन दक्षता और रणनीतिक निवेश कंपनी की भविष्य की विकास यात्रा को गति देंगे। कंपनी आने वाले समय में उत्पादन क्षमता विस्तार, उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात उत्पादों के विकास और ग्राहकों को बेहतर समाधान उपलब्ध कराने की दिशा में निवेश जारी रखेगी।

न्यूज ब्रीफ

जेप्टो का आईपीओ टला, लिस्टिंग से पहले 1000 करोड़ जुटाएगी कंपनी, घरेलू निवेशकों पर कंपनी का जोर, भारतीय हिस्सेदारी बढ़ाने की कवायद

नई दिल्ली। क्विक कामर्स की अग्रणी कंपनी जेप्टो अपने बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले करीब 1,000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में है। हालांकि, इस बीच कंपनी ने अपने आईपीओ की समय-सीमा को टाल दिया है। सूत्रों के मुताबिक, यह प्री-आईपीओ फंडिंग राउंड कंपनी का मूल्यांकन लगभग 4.5 अरब डालर पर करेगा, जो पिछली फंडिंग के मुकाबले काफी कम है। जानकारी के अनुसार इस फंडिंग राउंड में भारतीय निवेशकों की अहम भूमिका रहने की संभावना है, जिसका मकसद कंपनी में भारतीय शेयरहोल्डिंग को मौजूदा 40 फीसदी से बढ़ाना है। जेप्टो पहले जुलाई 2026 में आईपीओ लाने की योजना बना रही थी, जिसे फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2025 में जेप्टो ने 450 मिलियन डालर जुटाए थे, तब कंपनी का मूल्यांकन लगभग 7 अरब डालर था। अब प्री-आईपीओ फंडिंग में यह 4.5 अरब डालर रहने का अनुमान है, जो पिछली फंडिंग के मुकाबले एक महत्वपूर्ण कमी दर्शाता है। हालांकि, कंपनी की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी छोड़कर कंपनी शुरू करने वाले आदित पालीचा और कैवल्य वोहरा द्वारा स्थापित जेप्टो ने दिसंबर 2025 में गोपनीय प्री-फाइलिंग प्रक्रिया के जरिए आईपीओ के लिए सेबी के पास दस्तावेज जमा किए थे।

एनटीपीसी की हरित क्रांतिः निर्माणाधीन नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता ने कोयले को पछाड़ा

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी ताप बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी ने ऊर्जा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक बदलाव किया है। कंपनी पहली बार कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों की तुलना में अधिक नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) परियोजनाएं विकसित कर रही है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार जून 2026 तक निर्माणाधीन नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 16.4 गीगावाट तक पहुंच गई है, जो निर्माणाधीन कोयला-आधारित परियोजनाओं की 15.7 गीगावाट क्षमता से अधिक है। यह देश के ऊर्जा परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मोड़ का प्रतीक है, जहां पारंपरिक रूप से ताप बिजली पर एकाधिकार रखने वाली कंपनी अब हरित ऊर्जा को प्राथमिकता दे रही है। आंकड़े दर्शाते हैं कि जून 2026 के अंत तक एनटीपीसी की निर्माणाधीन नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़कर 16.4 गीगावाट हो गई, जो निर्माणाधीन कोयला आधारित बिजली परियोजनाओं की 15.7 गीगावाट क्षमता से अधिक है। उल्लेखनीय है कि जुलाई 2025 में कोयला आधारित क्षमता 17.3 गीगावाट के उच्चतम स्तर पर थी, जिसमें अब गिरावट आई है। वहीं नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की क्षमता जून 2025 से 24 फीसदी बढ़कर 16.4 गीगावाट हो गई है। कंपनी कुल मिलाकर 35.7 गीगावाट बिजली उत्पादन क्षमता विकसित कर रही है, जिसमें पनबिजली भी शामिल है। कंपनी ने एक दशक पहले ही अपने नाम से थर्मल पावर हटाकर एनटीपीसी कर दिया था, जो इसके हरित ऊर्जा पर बढ़ते फोकस को दर्शाता है।

बजाज फाइनैंस का पहली तिमाही में मुनाफा 29 फीसदी बढ़ा, एसेट क्वालिटी में सुधार

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बजाज फाइनैंस ने 30 जून को

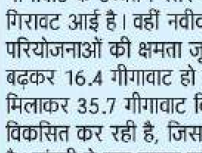

समाप्त तिमाही (वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही) में मजबूत वित्तीय परिणाम दर्ज किए हैं। कंपनी का एकल शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 5,346 करोड़ रुपये हो गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) और गैर-ब्याज आय में प्रभावशाली वृद्धि के कारण हुई है, जिसकी जानकारी कंपनी ने हाल ही में दी। बजाज फाइनैंस की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 24 प्रतिशत बढ़कर 11,495 करोड़ रुपये पहुंच गई। इस वृद्धि को परिसंपत्तियों के तहत प्रबंधन (एयूएम) में 23 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि से बल मिला, जो इस तिमाही में एकल आधार पर 4 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया। कंपनी की गैर-ब्याज आय में भी 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो 2,434 करोड़ रुपये रही। तिमाही के दौरान, ऋणदाता के नए ऋणों की संख्या सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.6 करोड़ हो गई। कंपनी की संपत्ति गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार आया है।

सब्सक्रिप्शन के लिए फ्यूजन क्लासरुम का आईपीओ हुआ लान्च, 7 अगस्त को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

प्रोफेशनल और कंपेटिटिव परीक्षाओं के लिए कोचिंग सर्विस देने वाली कंपनी फ्यूजन क्लासरुम एडुटेक लिमिटेड का 39.04 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में चार अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद पांच अगस्त को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि छह जुलाई को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर सात अगस्त को बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं। सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च होने के बाद दोपहर 11:30 बजे तक ये आईपीओ 14 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 151 रुपये से लेकर 159 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 800 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लाट यानी 1,600 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,54,400 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 24,55,200 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 32 करोड़ रुपये के 19,89,400 नए शेयर जारी किये जा रहे हैं, जबकि 7.04 करोड़ रुपये के 4,645,800 शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.31प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.30 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.37 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.02 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए नारनौलिया फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मां शीतल सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं पुणे ई-स्टाक ब्रोकिंग लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

फ्यूजन क्लासरुम एडुटेक लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 34 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 2.90 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 7.60 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 4.62 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 10.11 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 23.10 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था।

इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 32 लाख रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 1.01 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ दोगुने से अधिक के उछाल के साथ 3.43 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 3.92 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ बढ़ कर 10.03 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में ये 18.41 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें तो इस अवधि में कंपनी इस मोर्चे पर भी बढ़त हासिल करने में सफल रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 3.90 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस जबरदस्त उछाल के साथ 10.01 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 11.09 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2023-24 में 1.02 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 4.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का ईबीआईटीडीए उछल कर 12.99 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

आरबीआई ने थोक जमा दरों में बैंकों को दी अधिक छूट

एलसीआर से जुड़ेगी ब्याज दर

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को थोक जमा (बल्क डिपाजिट) पर ब्याज दरें तय करने में अधिक लचीलापन दिया है। इस नई व्यवस्था के तहत, बैंक अब अपनी तरलता कवरेज अनुपात (एलसीआर) आवश्यकताओं के आधार पर थोक जमा की तरलता विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग ब्याज दरें निर्धारित कर सकेंगे।

हालांकि, आरबीआई ने यह भी स्पष्ट किया है कि एक ही प्रकार की जमा राशि पर मिलने वाली ब्याज दरों में बैंक की सभी शाखाओं और ग्राहकों के लिए एकरूपता का व्यापक सिद्धांत बरकरार रहेगा। केंद्रीय बैंक के नए निर्देश बैंकों को थोक जमा पर ब्याज दरें तय करने में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाते हैं। आरबीआई ने कहा है कि बैंक अब एलसीआर ढांचे के तहत जमा या बिना गारंटी वाले थोक फंडिंग पर लागू रन-आफ रेट को ध्यान में रखते हुए थोक जमा पर अलग-अलग ब्याज दरें रखने के लिए स्वतंत्र होंगे। रन-आफ रेट वह अनुमानित प्रतिशत है, जिसके तहत संकट या दबाव की स्थिति में अगले 30 दिन के भीतर बैंक से जमा राशि

एकरूपता का सिद्धांत बरकरार, 1 अक्टूबर से होगी प्रभावी

की निकासी या नकदी के बाहर निकलने का अनुमान लगाया जाता है। यह छूट घरेलू रुपये वाले थोक जमा और अनिवासी भारतीयों से रुपये वाले जमा, दोनों के लिए उपलब्ध होगी।

इस कदम का उद्देश्य बैंकों को उनकी तरलता प्रबंधन रणनीतियों के साथ ब्याज दरों को बेहतर ढंग से संरेखित करने की अनुमति देना है। हालांकि, आरबीआई ने जमा दरों में एकरूपता के सिद्धांत को बनाए रखा है।

बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि थोक जमा सहित सभी तरह की जमा राशि पर मिलने वाली ब्याज दरें सभी शाखाओं और सभी ग्राहकों के लिए एक जैसी हों। साथ ही, एक ही तारीख को किसी भी शाखा में स्वीकार की गई समान राशि की जमा में ब्याज के मामले में कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आरबीआई ने बैंकों के लिए नए नियम भी लागू किए हैं।

पृष्ठ तीन का शेष

सीएम शर्मा ने ऊपरी ...

की मरम्मत और स्कूल परिसर से कीचड़ हटाने के लिए हम स्कूलों को 2 लाख से 3 लाख रुपए देंगे। नुकसान का आकलन चल रहा है और उम्मीद है कि 5 या 6 अगस्त तक फंड जारी कर दिया जाएगा। हमारा लक्ष्य शिवसागर और चराईदेउ में 9 अगस्त से स्कूल फिर से खोलना है। अगर ऐसा संभव नहीं हुआ, तो हम 15 अगस्त का लक्ष्य रखेंगे। इसके लिए कोई सख्त नियम नहीं है। राहत कार्यों के बारे में बताते हुए शर्मा ने कहा कि सरकार ने अब तक बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच लगभग 23,730 क्विंटल चावल, 4,541 क्विंटल दाल और 1,18,110 लीटर सरसों का तेल बांटा है। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों के पुनर्वास का काम पूरा होने के बाद, सरकार क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे और तटबंधों की मरम्मत पर ध्यान देगी। उन्होंने कहा कि सितंबर से हम बुनियादी ढांचे की बहाली का काम शुरू करेंगे। हम सड़कों, तटबंधों और अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान को ठीक करने के लिए शिवसागर और चराईदेउ के लिए दो अलग-अलग पैकेज को मंजूरी देंगे। बाढ़ प्रभावित इलाकों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दौरे के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दोनों ही राज्य को हर संभव मदद दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम लगातार प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री के संपर्क में हैं। सवाल यह है कि क्या इस समय प्रधानमंत्री का व्यक्तिगत दौरा चल रहे राहत कार्यों में मदद करेगा। उनके दौरे से पहले, जिला प्रशासन को कम से कम तीन दिन पहले तैयारियों पर ध्यान देना होगा। तो, क्या इससे राहत कार्यों में मदद मिलेगी या मुश्किलें पैदा होंगी? हम बहुत व्यवस्थित तरीके से अपना काम कर रहे हैं, और वह अपने दौरे के लिए सही समय तय करेंगे।

बाढ़ प्रभावित स्कूलों की ...

राज्य सरकार ने स्कूल यूनिफॉर्म के लिए 8 करोड़ रुपए जारी किए हैं। वहीं, विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकें इसी बीच भेजी जा चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि बाढ़ और कीचड़ से प्रभावित प्रत्येक स्कूल को सफाई एवं मरम्मत कार्य के लिए 2 लाख से 3 लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि जमीनी स्थिति अनुकूल रही तो सरकार 9 अगस्त से ऊपरी असम के इन चार बाढ़ प्रभावित जिलों में स्कूलों में पढ़ाई दोबारा शुरू करने का प्रयास करेगी। राहत और पुनर्वास कार्यों की निगरानी के लिए मंत्रियों की एक टीम शुक्रवार को ऊपरी असम रवाना होगी। इसके अलावा चराईदेव और शिवसागर जिलों में क्षतिग्रस्त सड़कों तथा अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए विशेष विकास पैकेज भी तैयार किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन कदमों का उद्देश्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत, पुनर्वास और सामान्य जनजीवन की शीघ्र बहाली सुनिश्चित करना है।

बाढ़ राहत का काम...

मोकोकचुंग जैसे जिलों में व्यापक क्षति हुई है और इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान में सभी का ध्यान बाढ़ के कारणों का पता लगाने के बजाय राहत और पुनर्वास पर होना चाहिए। उन्होंने प्रेस से कहा कि अगर हम अभी इन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेंगे, तो हम राहत और पुनर्वास पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पाएंगे। एक बार यह चरण पूरा हो जाने के बाद, हम कारणों की जांच की ओर बढ़ेंगे। शर्मा ने पहले कहा था कि पड़ोसी राज्य के पहाड़ी इलाकों में बादल फटने से असम में बाढ़ आई थी। हालांकि, आईएमडी द्वारा इस दावे का खंडन करते हुए यह कहने के बाद कि नगालैंड के मोन जिले के अबोई एआरजी स्टेशन पर 19 जुलाई को 137 मिमी बारिश दर्ज की गई थी, जो बादल फटने की श्रेणी में नहीं आती, उन्होंने बाद में बाढ़ का कारण नगालैंड में अभूतपूर्व बारिश को बताया और दावा किया कि यह *सामान्य से 181 प्रतिशत अधिक* थी। बुधवार को असम सरकार ने एक अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल (आईएमसीटी) को बताया कि चराईदेउ, शिवसागर, जोरहाट और गोलाघाट में हाल ही में आई बाढ़ अभूतपूर्व थी, और इस आपदा का मुख्य कारण पड़ोसी नगालैंड में हुई असाधारण रूप से भारी बारिश थी। एक दिन बाद, शर्मा ने कहा कि उनकी सरकार ने बाढ़ पुनर्वास की सात सूत्री योजना प्रस्तुत की है और बाढ़ को *असामान्य, उच्च तीव्रता वाली, तीव्र शुरुआत वाली घटना* के रूप में मान्यता देने की मांग की है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने बाढ़ से प्रभावित सभी राज्यों के प्रति सहानुभूति जताते हुए कहा कि यह पीड़ा केवल असम तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि हमें नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश और देश भर में बाढ़ से पीड़ित सभी लोगों के प्रति सहानुभूति रखनी चाहिए। ये मानव निर्मित भौगोलिक परिस्थितियां नहीं हैं। असम और नगालैंड प्रकृति द्वारा अपने वर्तमान स्थान पर स्थित हैं। हम इस बात पर चर्चा करेंगे कि यह कैसे हुआ, इसके समाधान क्या हैं और भविष्य में क्या किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सही समय आना आवश्यक है, उन्होंने निष्कर्ष निकाला।

सिलचर : पानी की ...

और उनकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। इसी दौरान एक आरएसएस स्वयंसेवक ने अपनी जान जोखिम में डालकर टंकी के अंदर प्रवेश किया और चारों शवों को बाहर निकाला। स्थानीय लोगों ने उसके साहस की सराहना की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि टंकी की सफाई के दौरान सुरक्षा के जरूरी इंतजाम किए गए थे या नहीं। यदि सुरक्षा नियमों की अनदेखी सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बंद स्थानों, पानी की टंकियों या सेप्टिक टैंकों की सफाई के दौरान बिना सुरक्षा उपकरण और पर्याप्त सावधानी के अंदर न उतरें, क्योंकि ऐसे स्थानों पर जहरीली गैस और ऑक्सीजन की कमी जानलेवा साबित हो सकती है।

एसआईआर : आंध्र प्रदेश ...

लाख मतदाता ऐसे पाए गए जिनके नाम कई जगहों पर दर्ज थे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी विवेक यादव के अनुसार 3.71 करोड़ मतदाताओं (89.22 प्रतिशत) से गणना फॉर्म एकत्र किए गए थे। बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को शेष मतदाता (44.89 लाख) नहीं मिले या उनके गणना फॉर्म वापस नहीं मिल पाए क्योंकि वे अन्य राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता बन गए थे या उनका अस्तित्व नहीं मिला या उन्होंने 24 जुलाई तक फॉर्म जमा नहीं किया था या किसी न किसी कारण से मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने के इच्छुक नहीं थे। आंध्र प्रदेश में 15 जून से 24 जुलाई तक एसआईआर चलाया गया था। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 24 जुलाई तक, 4,16,27,694 कुल मतदाताओं में से 3,71,38,182 मतदाताओं ने अपने गणना फॉर्म जमा कर दिए हैं, जो एसआईआर के गणना चरण के दौरान अत्यधिक भागीदारी को दर्शाता है।

बर्धमान के पॉश इलाके ...

की गहन पड़ताल कर रही हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपित मुख्यमंत्री की आवाजाही पर नजर रखता था। एसटीएफ सूत्रों का दावा है कि उसने उन मार्गों की रेकी भी की थी, जिनका इस्तेमाल मुख्यमंत्री न्यूटाउन स्थित आवास तक आने-जाने के लिए करते थे। टावर लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच में यह भी पता चला है कि वह जैश-ए-मोहम्मद के हैंडलरों के नियमित संपर्क में था। कुछ सूत्रों का यह भी दावा है कि गिरफ्तार युवक पाकिस्तान का नागरिक हो सकता है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। जांच एजेंसियां उसकी वास्तविक पहचान, नागरिकता और नेटवर्क से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही हैं।

महाराष्ट्र : भिवंडी में चार...

के डिजास्टर मैनेजमेंट सेल के अनुसार, इस इमारत को भिवंडी-निजामपुर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने पहले ही खतरनाक घोषित कर दिया था। असुरक्षित श्रेणी में होने के बावजूद, इमारत गिरने के समय कथित तौर पर मरम्मत का काम चल रहा था। घटना से कुछ घंटे पहले ही लोगों ने इमारत से चटकने की आवाजें सुनी थीं, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने कई परिवारों को वहां से बाहर निकाला। हालांकि, कुछ लोग अंदर ही रह गए और इमारत के ढहने पर उसमें फंस गए। बचाव अभियान के दौरान एनडीआरएफ के एक असिस्टेंट कमांडेंट भी घायल हो गए। बचाव कार्य पूरा होने के बाद मामले की आगे जांच होने की उम्मीद है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को भिवंडी में इमारत गिरने की घटना पर दुख जताया। इस घटना में अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने अधिकारियों को तुरंत एफआईआर दर्ज करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। एक्स पर एक पोस्ट में, फडणवीस ने इस घटना को बेहद दुखद बताया और कहा कि राज्य सरकार पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भिवंडी में इमारत गिरने से कुछ लोगों की मौत की घटना बेहद दुखद है। मैं उनके प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। हम इन परिवारों के दुख में शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि म्युनिसिपल कमिश्नर को इस मामले में तुरंत एफआईआर दर्ज करने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है।

पहली बार वंदेभारत...

प्रबंधक वेदप्रकाश ने इस उपलब्धि को भारतीय रेलवे के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि ऐसे जीवनरक्षक अभियानों में प्रत्येक मिनट महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल, आरपीएफ, गुजरात पुलिस और चिकित्सा टीमों के बीच बेहतर समन्वय के कारण यह मिशन सफल हो सका। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में भारतीय रेलवे की भूमिका निभाना केवल जिम्मेदारी नहीं बल्कि सेवा और मानवता के प्रति सर्वोच्च दायित्व है। रेलवे के अनुसार, वंदे भारत एक्सप्रेस की गति, समयपालन और विश्वसनीयता ने इस मिशन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारत, चीन और रूस ...

एंड लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड, रूस की एयर कार्गो प्रो लिमिटेड तथा ईरान की डाडेनेगर स्टार्टअप स्टूडियो शामिल हैं। अमेरिका का आरोप है कि भारत स्थित स्काइज ट्रेवल्स एंड लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड महान एयर की प्रमुख व्यावसायिक और ग्राहक सहायता साझेदार के रूप में कार्य कर रही थी, जबकि चीन और रूस की कंपनियां एयरलाइन के लिए लॉजिस्टिक्स, कार्गो और अन्य व्यावसायिक सेवाएं उपलब्ध करा रही थीं। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने ईरान की डाडेनेगर स्टार्टअप स्टूडियोको आईआरजीसी की कथित फ्रंट कंपनी बताया है। विभाग के अनुसार, यह संस्था अमेरिकी और इजरायली ठिकानों से संबंधित जानकारी जुटाकर ईरानी सैन्य अभियानों की योजना बनाने में सहायता करती थी। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि महान एयर केवल एक नागरिक एयरलाइन नहीं है बल्कि वह लंबे समय से आईआरजीसी और उसकी कुद्स फोर्स को लॉजिस्टिक सहायता, सैन्य कर्मियों के परिवहन, प्रशिक्षण और हथियारों तथा ड्रोन प्रणालियों के परिवहन में सहयोग देती रही है। नए प्रतिबंधों के तहत सूचीबद्ध व्यक्तियों और कंपनियों की अमेरिकी अधिकार क्षेत्र में मौजूद सभी संपत्तियां फ्रीज कर दी जाएंगी।

औकिब नबी को भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने पर इरफान पठान ने उठाये सवाल, घरेलू क्रिकेट में रहा है बेहतर प्रदर्शन

नई दिल्ली

पूर्व भारतीय आलराउंडर इरफान पठान ने अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी टीम में जगह नहीं मिलने पर नाराजगी जतायी है। नबी ने पिछले रणजी ट्राफी सीजन में 60 विकेट लेकर अपनी टीम को पहला खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से उनका प्रदर्शन ठीक रहा था। भारत-ए टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर भी भी उन्होंने दो चार दिवसीय मुकाबलों में छह विकेट लिए थे। इसके बाद भी नबी को शामिल नहीं किये जाने पर पठान ने सवाल उठाये हैं। पठान ने चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि चयन समिति के पास कोई तार्किक जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि जब घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों को मौका दिया जा रहा है, तो नबी के साथ अलग व्यवहार क्यों किया गया।

इरफान ने कहा, मेरे पास औकिब नबी के चयन न होने का कोई तार्किक जवाब नहीं है। मैं चयन प्रक्रिया को समझ नहीं पाया। जब जसप्रीत बुमराह उपलब्ध नहीं होते हैं तो मोहम्मद सिराज आपके प्रमुख तेज गेंदबाज हैं। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ उस टेस्ट में सिराज को खिलाने की क्या जरूरत थी, जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा भी नहीं था घरेलू प्रदर्शन मायने रखता है तो औकिब को मौका क्यों नहीं मिलाइरफान पठान ने हालांकिसारांश जैन के चयन की सराहना करते हुए कहा कि लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मौका मिलना चाहिए। सा ही कहा कि यही पैमाना औकिब नबी के मामले में भी लागू किया जाना चाहिये था।

उन्होंने कहा, सारांश जैन का घरेलू प्रदर्शन के दम पर टीम में चुना जाना शानदार फैसला है। इससे घरेलू क्रिकेट खेलने वालों को संदेश मिलता है कि प्रदर्शन का सम्मान होगा। लेकिन फिर औकिब के साथ ऐसा क्यों नहीं हुआ उन्होंने भी लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और तेज गेंदबाज होने के नाते टीम को हमेशा बैकअप की जरूरत रहती है।घरेलू क्रिकेट, इंडिया-ए और आईपीएल में प्रभावित करने के बावजूद नबी को भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिल सकी। अब उनकी नजर आगामी घरेलू सीजन में फिर से शानदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचने की रहेंगी

न्यूज ब्रीफ

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए शान मसूद

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट आफ स्पेन में रविवार से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान को शान मसूद की कमी खलेगी, क्योंकि बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को उंगली में चोट के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है। तरौबा में खेले गए पहले टेस्ट की पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए जेडेन सील्स की गेंद लगने से मसूद के बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लग गई थी; पाकिस्तान यह मैच 90 रन से हार गया था। इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज में भी मसूद के खेलने पर संदेह है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि 19 अगस्त से लीड्स में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच में उनकी उपलब्धता उनके ठीक होने पर निर्भर करेगी। पीसीबी ने एक बयान में कहा, पाकिस्तान के टेस्ट बल्लेबाज शान मसूद को त्रिनिदाद के ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लगने के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया है। स्कैन और क्लिनिकल जांच के बाद, शान का इलाज अभी पाकिस्तान टीम का मेडिकल पैनल कर रहा है। पीसीबी ने कहा, 19 अगस्त से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच में उनकी उपलब्धता उनके ठीक होने और क्लिनिकल प्रोग्रेस (सुधार) पर निर्भर करेगी।

अब घरेलू क्रिकेट में क्वींसलैंड की ओर से खेलेंगे जम्पा

सिडनी। आस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जम्पा अब घरेलू क्रिकेट में क्वींसलैंड की ओर से खेलेंगे। अब तक वह न्यू साउथ वेल्स की ओर से खेलते आये थे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने इसके लिए मंजूरी दे दी है। जम्पा ने ये कदम अपनी ट्रेनिंग सुविधाओं के करीब रहने के लिए उठाया है। क्वींसलैंड की राजधानी ब्रिस्बेन में अभ्यस स्थल उनके घर के करीब है। टीम में बदलाव से उनके घरेलू क्रिकेट करियर में एक नया अध्याय जुड़ेगा। इससे उनके पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन स्थापित होगा। जम्पा के लिए क्वींसलैंड उनके घरेलू करियर की तीसरी राज्य टीम होगी। इससे पहले उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में दक्षिण आस्ट्रेलिया की ओ से सात साल खेला था। इसके बाद वह न्यू साउथ वेल्स चले गए थे। इस अनुभवी स्पिनर के होने से टीम को बढ़त मिलेगी। अब वह क्वींसलैंड की ओर से खेलते हुए मार्नस लाबुशेन, माइकल नेसर और जेवियर बार्टलेट जैसे राष्ट्रीय स्तर पर अनुबंधित खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करेंगे, जिससे टीम की गहराई और अनुभव दोनों में वृद्धि होगी। उनका आगमन शामिल होने से क्वींसलैंड का स्पिन आक्रमण भी बेहतर होगा। क्वींसलैंड क्रिकेट के जनरल मैनेजर हाई परफार्मेंस, बेनेट किंग ने जम्पा के टीम में आने पर खुशी जतायी है। उन्होंने कहा, हमें बेहद खुशी है कि एडम जैसे विश्व स्तरीय खिलाड़ी हमारे साथ जुड़े हैं। उनका अनुभव, खेल की समझ और शीर्ष स्तर पर प्रदर्शन करने की क्षमता निस्संदेह हमारे युवा खिलाड़ियों और समग्र ग्रुप को बड़ा फायदा पहुंचाएगी। किंग ने यह भी कहा कि वे भविष्य में भी जम्पा को आस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करने के उनके लक्ष्यों को पूरा करने में हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए उत्सुक हैं।

पाक बल्लेबाज युसुफ के नाम है एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक शतक का रिकार्ड

लाहौर। पाकिस्तान के क्रिकेटर मोहम्मद युसूफ के नाम टेस्ट क्रिकेट में एक ऐसा रिकार्ड है जो आज तक कोई

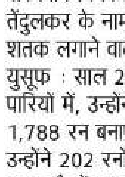

क्रिकेटर नहीं तोड़ पाया है। मोहम्मद युसूफ एक कैलेंडर ईयर में सबसे अधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। इस पाक क्रिकेटर के नाम 9 टेस्ट शतक का रिकार्ड है जो उसने साल 2006 में बनाया था। उनके साथ ही रिकी पोंटिंग, सर विवियन रिचर्ड्स, अरविंद डिसिल्वा और सचिन तेंदुलकर के नाम भी एक कैलेंडर ईयर में सबसे अधिक शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल है। मोहम्मद युसूफ : साल 2006 में यूसुफ ने11 मैचों की 19 पारियों में, उन्होंने 99.33 की अविश्वसनीय औसत से 1,788 रन बनाए। 2,854 गेंदों का सामना करते हुए, उन्होंने 202 रनों का अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया और 222 चौकों तथा 12 छक्कों की मदद से 9 शतक का रिकार्ड बनाया। उनके नाम 3 अर्धशतक भी हैं। वह इस साल केवल 1 बार शून्य पर आउट हुए। रिकी पोंटिंग : साल 2006 में ही पोंटिंग ने 2006 में केवल 10 मैचों की 18 पारियों में जमकर रन बनाये। 3 बार नाबाद लौटते हुए उन्होंने 88.86 की शानदार औसत से 1,333 रन बनाये। 196 के सर्वोच्च स्कोर के साथ उन्होंने 7 शतक और 4 अर्धशतक अपने नाम किए।

हाकी विश्व कप से पहले भारतीय स्ट्राइकरों ने बताया सफलता का फार्मूला

नई दिल्ली

एफआईएच हाकी विश्व कप-2026 के आगाज में अब दो सप्ताह से भी कम समय बचा है। ऐसे में भारतीय पुरुष हाकी टीम अंतिम तैयारियों में जुटी हुई है।

टीम के स्टार फारवर्ड मनदीप सिंह, अभिषेक और शिलानंद लकड़ा का मानना है कि आधुनिक हाकी में सफलता के लिए फारवर्ड खिलाड़ियों के बीच बेहतर तालमेल, निरंतरता और टीमवर्क सबसे अहम हैं।

अपने चौथे एफआईएच विश्व कप में उतरने जा रहे अनुभवी फारवर्ड मनदीप सिंह ने कहा कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में सीनियर खिलाड़ियों से काफी कुछ सीखा और अब वही अनुभव युवा खिलाड़ियों के साथ साझा कर रहे हैं।

उन्होंने हाकी इंडिया के हवाले से कहा, जब मैं युवा था, तब मैं सीनियर खिलाड़ियों से खूब सवाल पूछता था और उनसे बहुत कुछ सीखा। अब मैं वही अनुभव युवा फारवर्ड खिलाड़ियों के साथ साझा करता हूं। हम बड़े मुकाबलों में दबाव को संभालने, शांत रहने और सही फैसले लेने पर चर्चा करते हैं।

मनदीप के अनुसार, गोल करने की सफलता केवल प्रतिभा से नहीं बल्कि सुनियोजित अभ्यास से मिलती है।

उन्होंने कहा, हम फारवर्ड खिलाड़ियों के अभ्यास सत्र काफी विशेष होते हैं। हम डी के भीतर तालमेल बनाने, अंतिम पास को सही तरीके से लेने और हर आक्रमण को परिणाम तक पहुंचाने पर लगातार मेहनत करते हैं। हमारा लक्ष्य हर बार डी में प्रवेश करने पर गोल करना, गोल पर शाट लगाना या पेनल्टी कार्नर हासिल करना होता है।

उन्होंने आगे कहा, एक अच्छा स्ट्राइकर सिर्फ गोल करने के बारे में नहीं सोचता। हाकी टीम का खेल है और साथियों के साथ जितनी बेहतर समझ होगी, उतना ही प्रभावी प्रदर्शन होगा।

अपने पहले एफआईएच विश्व कप की तैयारी कर रहे शिलानंद लकड़ा ने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों, खासकर मनदीप सिंह का मार्गदर्शन उनके लिए काफी मददगार रहा है।

उन्होंने कहा, जब भी मुझसे कोई गलती होती है, सीनियर खिलाड़ी बताते हैं कि मुझे कहां सुधार करना है। मनदीप भाई हमेशा मेरा हौसला बढ़ाते हैं और सही दिशा दिखाते हैं। उनकी सलाह से मुझे लगातार सीखने और बेहतर बनने में मदद मिलती है।

लकड़ा का मानना है कि आधुनिक हाकी में फारवर्ड की भूमिका सिर्फ गोल करने तक सीमित नहीं रह गई है।

उन्होंने कहा, मैं हमेशा टीम के लिए हर संभव योगदान देने की कोशिश करता हूं। चाहे मौके बनाना हो, गोल करना हो या टैकल लगाना, मेरी कोशिश हर विभाग में योगदान देने की रहती है। अब फारवर्ड खिलाड़ी टीम की पहली रक्षापंक्ति भी होते हैं। यदि हम अच्छी डिफेंस करते हैं तो डिफेंडरों और मिडफील्डरों का काम आसान हो जाता है।

भारतीय टीम के भरोसेमंद गोल स्कोरर अभिषेक ने कहा कि उनकी निरंतरता का राज शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की कड़ी तैयारी है।

उन्होंने कहा, एक स्ट्राइकर की निरंतरता गेंद के बिना उसकी गतिविधियों से शुरू होती है। आफ-द-बाल मूवमेंट और प्रेसिंग बेहद महत्वपूर्ण हैं क्योंकि फारवर्ड ही टीम की पहली रक्षापंक्ति होते हैं। गेंद हासिल करने के बाद अन्य फारवर्ड खिलाड़ियों के साथ तालमेल बनाना और फिर आक्रमण को गोल, शाट या पेनल्टी कार्नर में बदलना हमारी जिम्मेदारी होती है।

मानसिक मजबूती पर उन्होंने कहा, डी के भीतर संयम अभ्यास से आता है। यदि आप प्रशिक्षण में मेहनत नहीं करेंगे तो दबाव की स्थिति में सही निर्णय नहीं ले पाएंगे। हम ध्यान (मेडिटेशन) और अनुभव के जरिए मानसिक रूप से भी खुद को मजबूत बनाते हैं। जितना अधिक खेलेंगे, उतना ही कठिन परिस्थितियों में शांत रह पाएंगे।

एफआईएच हाकी विश्व कप 2026 का आयोजन 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में होगा। भारत को पूल-डी में रखा गया है, जहां वह अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगा। इसके बाद भारतीय टीम इंग्लैंड और चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: लवप्रीत सिंह ने सुपर हेवीवेट भारोत्तोलन में जीता रजत

ग्लासगो

भारत के स्टार भारोत्तोलक लवप्रीत सिंह ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पुरुषों के +110 किग्रा सुपर हेवीवेट वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। स्काटिश इवेंट कैंपस में गुरुवार को खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में लवप्रीत ने कुल 388 किलोग्राम (स्नैच 176 किग्रा + क्लीन एंड जर्क 212 किग्रा) वजन उठाया। स्वर्ण पदक न्यूजीलैंड के डेविड एंड्रयू लिटी ने कुल 389 किलोग्राम वजन उठाकर केवल एक किलोग्राम के अंतर से जीता।

28 वर्षीय लवप्रीत, जिन्होंने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 109 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता था, इस बार सुपर हेवीवेट वर्ग में और भी दमदार अंदाज में नजर आए। उन्होंने स्नैच में अपने तीनों प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए। पहले 168 किलोग्राम, फिर 173 किलोग्राम और अंत में 176 किलोग्राम वजन उठाकर उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया। मुकाबले का सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार समोआ के सनेले माओ स्नैच में 175 किलोग्राम के तीनों प्रयासों में असफल रहे और प्रतियोगिता से बाहर हो गए। इसका पूरा फायदा लवप्रीत ने उठाया और 176 किलोग्राम का सफल प्रयास कर स्नैच के बाद 10 किलोग्राम की बढ़त बना ली।

हालांकि क्लीन एंड जर्क में मुकाबला पूरी तरह बदल गया। लवप्रीत ने 212 किलोग्राम का सफल प्रयास किया, लेकिन 217 किलोग्राम उठाने में असफल रहे। दूसरी ओर न्यूजीलैंड के डेविड लिटी ने 223 किलोग्राम का शानदार भार उठाकर क्लीन एंड जर्क का नया खेल रिकार्ड बनाया और कुल 389 किलोग्राम के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। इसके बाद उन्होंने तीसरा प्रयास नहीं किया। हालांकि स्वर्ण पदक लवप्रीत से एक किलोग्राम दूर रह गया, लेकिन उनका प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। उन्होंने बर्मिंघम 2022 के कांस्य पदक से आगे बढ़ते हुए इस बार रजत पदक जीतकर भारतीय भारोत्तोलन अभियान का शानदार समापन किया और अंत तक स्वर्ण के लिए कड़ा संघर्ष किया।

राष्ट्रमंडल खेल 2026: सीमा ने महिलाओं के डिस्कस थ्रो फ़ाइनल में जीता कांस्य

ग्लासगो। भारत की सीमा कालीरामना ने गुरुवार को राष्ट्रमंडल खेल 2026 में महिलाओं के डिस्कस थ्रो फ़ाइनल में कांस्य पदक जीता। उनके दूसरे प्रयास में 58.65 मीटर का उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो (छह में से उनके केवल दो ही वैध थ्रो थे) उन्हें पोडियम तक पहुँचाने के लिए काफ़ी था। प्रतियोगिता में शामिल दूसरी भारतीय, निधि रानी, 57.10 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहीं। इन खेलों में महिलाओं के डिस्कस थ्रो में भारत का यह नौवां पदक है और कालीरामना छठी अलग-अलग मेडलिस्ट हैं। सीमा पूनिया के नाम चार राष्ट्रमंडल खेल पदक हैं, जिनमें तीन रजत शामिल हैं। जमैका की सामंथा हाल ने 61.66 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण जीता, जबकि कनाडा की जूलिया टंक्स ने 60.67 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक हासिल किया।

अफगानिस्तान क्रिकेट के नये फील्डिंग कोच बने मैकडरमाट

सिडनी

आस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज़ शेन मैकडरमाट को अफगानिस्तान का नया असिस्टेंट और फील्डिंग कोच नियुक्त किया गया है। आयरलैंड के खिलाफ अगले माह होने वाली एकदिवसीय सीरीज के पहले इस बदलाव से टीम को लाभ होने की की संभावना है। मैकडरमाट 1 अगस्त को अफगानिस्तान टीम से जुड़ेगे। अफगान टीम को आयरलैंड के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है।

मैकडरमाट मुख्य कोच रिचर्ड पाइबस के साथ मिलकर काम करेंगे, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में जोनाथन ट्राट की कोच की भूमिका संभाली थी। मैकडरमाट के आने से टीम को फील्डिंग कौशल बेहतर होगा। वह भी ऐसे समय में जब अफगानिस्तान क्रिकेट लगातार विश्व स्तर पर बेहतर प्रदर्शन का प्रयास कर रही है।

मैकडरमाट के पास कोचिंग का लंबा अनुभव है, खासकर फील्डिंग के क्षेत्र में, जहां उनकी विशेषज्ञता को काफी सराहा जाता है। उन्होंने पहले बांग्लादेश के लिए तीन साल तक सहायक कोच की भूमिका निभाई है। उन्होंने श्रीलंका क्रिकेट के साथ भी इसी भूमिका में तीन साल बिताए। इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान टीम से उनका अचानक अलग होना कई लोगों के लिए हैरानी भरा था पर अब उन्होंने अफगानिस्तान के साथ एक नई चुनौती स्वीकार की है, जो उनकी कोचिंग क्षमता और अनुभव का लाभ उठाएगी।

यह आयरलैंड दौरा अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए कई मायनों में एक नया अध्याय भी होगा। इस सीरीज में रहमत शाह पहली बार वनडे टीम की कप्तानी की बागडोर संभालेंगे, जो उनके लिए और टीम के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। यह युवा कप्तान के नेतृत्व में टीम की क्षमताओं का आकलन करने और भविष्य के बड़े टूर्नामेंटों के लिए रणनीति बनाने का एक अहम मौका होगा। अफगानिस्तान टीम एक नई ऊर्जा और दृष्टिकोण के साथ मैदान पर उतरेगी। पांच मैचों की यह एकदिवीसय सीरीज ब्रेडी में शुरू होगी, जहां शुरुआती दो वनडे मैच 5 और 7 अगस्त को खेले जाएंगे। इसके बाद टीम बेलफास्ट का रुख करेगी, जहां बाकी तीन मैच क्रमश: 10, 12 और 15 अगस्त को आयोजित होंगे।

एशियन लीजेंड्स लीग में 2 अगस्त को होगा इंडियन रायल्स और पाकिस्तान पैंथर्स में मुकाबला

मुम्बई

भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबलों का प्रशंसकों को हमेशा से ही इंतजार रहता है। वहीं अब रिटायर्ड क्रिकेटरों की की एशियन लीजेंड्स लीग में ये दोनो देशों की टीमें 2 अगस्त को फिर आमने-सामने होंगी। इसमें भारत के पूर्व क्रिकेटरों की इंडियन रायल्स का मुकाबल पाकिस्तान पैंथर्स से होगा।

पहले ये टूर्नामेंट 2 जून 2026 से केन्या के नैरोबी स्थित जिमखाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाला था पर अब इसे अगस्त में आयोजित किया जा रहा है। इस टूर्नामेंट का पहला मुकाबला श्रीलंका लायंस और अफगानिस्तान पठान्स के बीच खेला जाएगा। पहले सत्र में लीग को मिली शानदार सफलता को देखते हुए लीग इस बार और भी बड़े स्तर पर वापसी करने जा रही है। ये सभी मुकाबले जाम्बिया के लोटस स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में खेले जा रहे हैं। इस टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा।

इसमें भारत की इंडियन रायल्स का मुकाबला पाकिस्तान पैंथर्स से होगा।

20 ओवर के प्रारूप में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में कुल 19 मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें विभिन्न एशियाई देशों के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर एक मंच पर नजर आयेंगे। इस टूर्नामेंट को रिटायर्ड खिलाड़ियों का एशिया कप भी कहा जाता है। इस टूर्नामेंट का सबसे रोमांचक मुकाबला 2 अगस्त को इंडियन रायल्स और पाकिस्तान पैंथर्स के बीच खेला जाएगा, जिसका प्रशंसक अभी से ही इंतजार कर रहे हैं। एशियन लीजेंड्स लीग में इंडियन रायल्स, पाकिस्तान पैंथर्स के अलावा श्रीलंकन लायंस, अफगानिस्तान पठान्स, बांग्लादेश टाइगर्स और रेस्ट आफ एशियन स्टार्स जैसी फ्रेंचाइजी टीमें शामिल होंगी।

लीग अधिकारियों ने कह है कि इस टूर्नामेंट में केवल एशियाई देशों की टीमों को ही भाग लेने की अनुमति होगी, जिससे यह प्रतियोगिता एशियाई क्रिकेट की विरासत, जुनून और प्रतिद्वंद्विता का उत्सव बनेगी। सीजन 2 में श्रीलंकाई दिग्गज तिषारा परेरा, तिलकरत्ने दिलशान के अलावा भारत के ऋषि धवन, मोहित शर्मा वहीं अफगान टीम के असगर अफगान श्रीलंका के दनुष्का गुणथिलका, भारत के नमन ओझा, बांग्लादेश के शाकिब अल हसन सहित कई दिग्गज क्रिकेटर मैदान में नजर आ सकते हैं।

दोने टीमें इस प्रकार हैं :

इंडियन रायल्स

शिखर धवन, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), ऋषि धवन, अंबाती रायुडू, मनप्रीत गोनी, स्टुअर्ट बिन्नी, यूसुफ पठान, नमन ओझा, सुदीप त्यागी, सुरेश रैना, शाहबाज नदीम, फैज फजल, हरभजन सिंह, अनुरीत सिंह, शदाब जकाती, पवन नेगी

पाकिस्तान पैंथर्स

उमर अकमल, मोहम्मद हफीज, सोहेल तनवीर, वहाब रियाज, अब्दुर रहमान, सईद अजमल, राहत अली, कामरान अकमल, शर्जील खान, यासिर शाह, सामी असलम, शोएब मलिक, राना नईम अनवर, मोहम्मद इरफान, नवेद-उल-हसन, इमरान नजीर।

5 तरीके जो आपकी पर्सनालिटी में लगा दे चार चांद

हर कोई चाहता है वह अच्छा दिखे। ऐसे में पुरुष अगर इन पांच बातों को ध्यान में रखेंगे तो उनकी पर्सनैलिटी और भी निखर जाएगी।

1. बदलें हेयरस्टाईल

किसी भी आदमी को अट्रैटिव बनाती है उसकी हेयरस्टाईल। आप अगर अपने बालों पर ध्यान देंगे तो आपकी पर्सनैलिटी और निखर कर आती है। समय-समय पर अपनी हेयरस्टाईल बदलते रहें, ताकि नया और फ्रेंश महसूस कर सकें। इसके लिए आप अपने चेहरे के हिसाब से बालों को लुक दे सकते हैं। ध्यान रहे ऐसी हेयरस्टाईल न बनाएं जो आपकी पर्सनैलिटी से मैच न करता हो।

2. पौष्टिक आहार

कहते हैं पेट स्वस्थ, तो शरीर स्वस्थ। आपका खानपान आपकी पर्सनैलिटी पर गहरा असर डालता है। पौष्टिक आहार लेंगे तो शरीर हमेशा चुस्त-दुरुस्त रहेगा। वहीं ऑयली खाना खाने से यह आपके शरीर पर अतिरिक्त वसा तो जमाएगा ही, साथ ही आपकी सेहत पर भी बुरा असर डालेगा।

3. मुस्कान हो आकर्षक

हंसता हुआ चेहरा देखकर कोई भी इंप्रेस हो सकता है। जितना संभव हो, खुद को प्रसन्न रखें। इसके अलावा अपनी स्माइल को खुशनुमा बनाने के लिए दांतों की देखभाल करना भी जरूरी है। दांतों की सफाई समय-समय पर करते रहें। और किसी से भी मिलते समय सिर को नीचे झुकाए बिना, सामने देखते हुए मुस्कुराएंगे तो आप किसी को भी इंप्रेस कर सकते हैं।

4. ड्रेसिंस सेंस हो खास

कपड़ों का भी व्यक्तित्व पर काफी प्रभाव पड़ता है। कपड़े साफ-सुथरे और धुले होंगे, तो आपकी छवि सकारात्मक बनेगी। इसके अलावा किस समय और किस जगह कौन से कपड़े पहनने हैं, इतना ड्रेसिंस सेंस जरूर होना चाहिए।

5. एसेसरीज देती हैं फाइनल टच

अच्छी ड्रेस पहनने के बाद सिर्फ एक चीज बचती है, वो है एसेसरीज। रिस्ट वॉच से लेकर बेल्ट और जूते तक, यह सभी पर्सनैलिटी में चार चांद लगा देते हैं। इसलिए जरूरी है कि एसेसरीज कैरी करते समय सावधानी रखें। जो आप पर सूटेबल हो, उसे ही पहनें।

इन 10 तरीकों से बुक करेंगे होटल तो बचा सकेंगे पैसे

अक्सर देखा जाता है कि बहुत की रिजर्वेशन वाली वेबसाइट कई तरह के बेस्ट प्राइस बुकिंग ऑफर्स देती हैं। जबकि हकीकत में ये वेबसाइट ग्राहकों की जेब पर लोड डालती हैं। एक तरह से बिचौलिए की भूमिका में होती हैं। ऐसे में बेहतर होगा डायरेक्ट होटल की वेबसाइट से बुकिंग कराएं।

यह टेक्निक भी मजेदार

यह तकनीकि हमेशा तो नहीं लेकिन ज्यादातर काम कर सकती है। अगर आप अगली वैकेशन के लिए प्लान कर रहे हैं तो पहली रात के लिए होटल में हायर प्राइस में रूम बुक करें। इसके बाद अगली रात के लिए लो प्राइस में बुकिंग कराएं। ऐसे में अगर दूसरे दिन होटल पूरा भरा नहीं हैं तो वे आपको उसी हायर प्राइस वाले रूम में लो प्राइस में रुकने के लिए बोल देंगे। इससे उनकी क्लिनिंग कॉस्ट बचती है।

प्रोमो कोड

यह आइडिया काफी इफेक्टिव होगा। कुछ भी करने से पहले सबसे पहले इंटनेट पर एक प्रोमो कोड ढूंढ ले। यह आपकी ट्रिप में काफी काफी मददगार होगा। इसके जरिए आप होटल, शहर और तारीख के जरिए बुकिंग आदि की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

छूट के लिए पात्र हैं या नहीं

सबसे पहले ये देखना जरूरी होता है कि आपको डिस्काउंट मिलेगा या नही। इसके लिए आपको इस पर ध्यान देना होगा कि आप जिस कंपनी में काम कर रहे हैं उसके आधार पर आपको छूट मिलेगी या नही। अधिकांश कंपनिंयों के टूर वाले कर्मचारियों को होटल्स में डिस्काउंट ऑफर मिलते हैं।

पैकेज डील पहले देख लें

कभी कभी होटल और हवाई सफर अलग अलग बुक कराने से सस्ता पड़ता है। वहीं कई बार ये एक साथ कराने में और ज्यादा सस्ता पड़ जाता है। ऐसे में जरूरी है कि होटल बुकिंग से पहले आप बुक नाऊ पर क्लिक करके इन दोनों में तुलना जरूर कर लें।

क्रेडिट कार्ड का उपयोग करें

होटल बुकिंग में कोशिश करें कि किसी ऐसे क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करें जो होटल से ही संबद्ध हो। इससे आपको होटल की तरफ से रिजर्वेशन फीस से लेकर अन्य कई चीजों में छूट का लाभ मिलेगा।

ट्रैवल मिडवीक की कोशिश करें

कोशिश करे कि आप सफर पर सप्ताह के बीच में निकले क्योंकि? इन टाइम पीरियड में होटल आसानी से उचित दामों में मिल जाते हैं। कई होटल सप्ताहांत की तुलना में सप्ताह के बीच में बेहतर मूल्य पर रूम देते है क्योंकि इस टाइम भीड़ कम होती है।

ट्रैवल एजेंट की मदद लें

ट्रैवल एजेंटों के पास बहुत से विशेष ऑफर होते हैं। जो एक आम इंसान को नहीं मिल सकते हैं। ऐसे में होटल बुकिंग में उनकी सलाह काफी मायने रखती है। वे आपको सलाह दे सकते हैं कि आपके लिए किस प्रकार का यात्रा बीमा सबसे अच्छा हो सकता है।

लो सीजन में बुकिंग

अगर आपको यह फर्क नहीं पड़ता है कि आप किस सीजन में यात्रा कर रहे हैं। ऐसे में लो सीजन काफी अच्छा साबित हो सकता है। इस टाइम पीरियड में शाम के समय जल्दी होटल में रूम बुक कराने पर कम पैसे में बुकिंग हो जाती है क्योंकि उस समय रूम खाली होते हैं।

रिजर्वेशन वाली वेबसाइट

अधिकांश लोगों को लगता है कि होटल में कॉलिंग के जरिए उनके यहां के रेट पूछे जा सकते हैं। जब कि इसकी अपेक्षा अगर रिजर्वेशन वाली वेबसाइट पर जाकर वहां पर होटल की बुकिंग कंफर्म करे तो बेनफिट्स मिल सकते हैं। इससे यहां पर आपको अच्छे प्राइस पर होटल मिल सकते हैं।

बरसात में गीले कपड़ों को

बारिश के मौसम में सबसे ज्यादा परेशानी गीले कपड़ों की वजह से होती है क्योंकि कपड़े धोने के बाद उन्हें धूप नहीं मिलती और अंदर ही सूखाने के लिए डालना पड़ता है। ऐसे में धुले हुए कपड़े अच्छे से सूख नहीं पाते और उनमें से बदबू आने लगती है। इसके लिए मानसून में कुछ आसान तरीके अपनाकर गीले कपड़ों को अच्छी तरह सूखा सकते हैं।

अच्छे से निचोड़ें

कपड़ों को धोने के बाद उन्हें अच्छे से निचोड़ कर मशीन में दो बार ड्रायर करें जिससे कपड़े ज्लदी सूख जाएंगे।

सिरका और अगरबत्ती

जिस कमरे में कपड़े सूखने के लिए डालें वहां कोने में एक खुशबूदार अगरबत्ती जला कर रख दें। इसके धूएं से एक तो कपड़ों में से सीलन की बदबू दूर होगी दूसरा वे जल्दी सूख भी जाएंगे। इसके अलावा कपड़े धोते समय पानी में 2 चम्मच सिरका मिला दें।

हैंगर का इस्तेमाल

कपड़ों को अलग-अलग हैंगर में लटकाकर कमरे में सूखने के लिए रखें और खिड़कियां-दरवाजे खोल दें। इससे हवा कपड़ों के आर-पार आसानी से पहुंचेगी और वे जल्दी सूख जाएंगे।

नमक

कपड़ों के साथ कमरे में एक थैली में नमक भरकर रख दें जिससे नमक कपड़ों से मॉइश्चराइजर सोख लेगा और सूखने में मदद करेगा।

सुझाव

काम के साथ आंखों का रखें ख्याल

वर्तमान दिनचर्या में कंप्यूटर के बिना काम करना शायद असंभव है, लोग घंटों कंप्यूटर के सामने बैठकर काम करते हैं। घंटों कंप्यूटर के सामने बैठने के कारण इससे निकलने वाली नीली रोशनी से सबसे अधिक नुकसान आंखों को होता है। इसके कारण आंखों की रोशनी कम होती है। इसके अलावा लगातार कम्प्यूटर पर काम करने से आंखों में थकान, धुंधला दिखाई देना, सिर में दर्द और आंखों के आसपास काले घेरे की समस्या आम बात है। ड्राई आई सिंड्रोम भी घंटों कंप्यूटर के प्रयोग के कारण होती है। इसलिए काम के साथ-साथ आंखों का भी ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

अंधेरे में काम न करकें: कंप्यूटर पर काम कर रहे हैं तो ध्यान रखें कि जिस कमरे में आप हों वहां पर अंधेरा या कम रोशनी न हो। आपके कमरे की रोशनी कंप्यूटर स्क्रीन से निकलने वाली रोशनी से कम न हो। अगर कमरे में अंधेरा होगा या कमरे की रोशनी कम होगी । तो कंप्यूटर से निकलने वाली किरणें आंखों को अधिक प्रभावित करेंगी।

कंप्यूटर से आंखों की दूरी: काम करते वक्त अपनी कुर्सी की ऊंचाई को कम्प्यूटर के हिसाब से ही रखें। कंप्यूटर को अपनी आंखों से 30 सेमी की दूरी पर रखें।

पलकों को झपकाते रहें: काम के दौरान पलकों को झपकाते रहें, इससे आंखों की नमी बरकरार रहेगी और आंखे सूखेंगी नहीं। लंबे समय तक पलक नहीं झपकाने से आंखों से पानी बहने लगता है।

काम के बीच ब्रेक लें: अगर आप लगातार कंप्यूटर पर काम कर रहे हैं । तो बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें। कोशिश करें कि 30-40 मिनट के बाद अपनी नजर को दूर किसी वस्तु पर ले जायें, अपने से लगभग 20 फिट की दूरी पर दूसरी वस्तु को देखें। एक घंटे तक काम करने के बाद 10 मिनट के लिए कंप्यूटर की स्क्रीन बंद कर दें।

हेल्दी स्नैक लेते रहें: आंखों को स्वस्थ रखने के लिए स्वस्थ आहार का सेवन बहुत जरूरी है। खाने में विटामिन ए, ई और सी को जरूर शामिल करें। ये आंखों के लिए आवश्यक हैं। दूध और दूध से बने पदार्थ, हरी पत्तेदार सब्जियां, अंडा, पपीता, गाजर विटामिन ए के अच्छे स्रोत हैं, इनको अपने आहार में शामिल करें। काम के बीच में भी स्वस्थ और विटामिन युक्त हेल्दी स्नैक लेते रहें।

आंखों के व्यायाम: काम के बीच में आंखों में थकान हो जाती है, इससे बचाने के लिए काम के दौरान ही आंखों के व्यायाम कीजिए। अपनी हथेली और उंगली से आंखों को बंद करके उन पर मालिश करें। बीच-बीच में आंखों की पुतलियों को चारों ओर घुमाएं। इससे आंखों को आराम मिलता है। बीच-बीच में पानी के छींटे भी मार सकते हैं।आंखों को स्वस्थ रखने के लिए भरपूर नींद जरूरी है, कम से कम आठ घंटे की नींद लें, आंखों में अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पादों का ही प्रयोग करें। अपनी आंखों की नियमित रूप से जांच कराएं।

श्रावण मास की महत्ता और शिवजी को प्रसन्न करने के उपाय

श्रावण शिवजी का विशिष्ट प्रिय मास है। श्रद्धालु इस पूरे मास शिवजी के निमित्त व्रत और प्रतिदिन उनकी विशेष पूजा आराधना करते हैं। इस वर्ष के श्रावण मास में कुछ विशेष योग भी हैं। जैसे इस बार का श्रावण माह पांच सोमवार को है और यह माह सोमवार से शुरू होकर सोमवार को ही खत्म होगा। यह माह मनोकामनाओं का इच्छित फल प्रदान करने वाला है। आइए जानते हैं श्रावण मास की महत्ता, व्रत और पूजन की विधि तथा कैसे कर सकते हैं भगवान शिव को प्रसन्न।

महत्ता

सभी मास किसी न किसी देवता के साथ संबंधित हैं जिसके तहत श्रावण मास को भगवान शिव जी के साथ देखा जाता है। इस समय शिव आराधना का विशेष महत्व होता है। कहा जाता है कि यह माह आशाओं की पूर्ति का समय होता है। श्रावण अथवा सावन हिन्दू पंचांग के अनुसार वर्ष का पाँचवा महीना है, जो ईस्वी कलेंडर के जुलाई या अगस्त माह में पड़ता है। इस माह में अनेक महत्त्वपूर्ण त्योहार मनाए जाते हैं, जिसमें हरियाली तीज, रक्षाबन्धन, नागपंचमी आदि प्रमुख हैं। इस माह में पड़ने वाले सोमवार सावन के सोमवार कहे जाते हैं, जिनमें स्त्रियाँ तथा विशेषतौर से कुंवारी लड़कियां भगवान शिव के निमित्त व्रत आदि रखती हैं।

पूजन विधि

शिवजी की पूजा में गंगाजल के उपयोग को विशिष्ट माना जाता है। शिवजी की पूजा आराधना करते समय उनके पूरे परिवार अर्थात् शिवलिंग, माता पार्वती, कार्तिकेयजी, गणेशजी और उनके वाहन नन्दी की संयुक्त रूप से पूजा की जानी चाहिए। शिवजी के स्नान के लिए गंगाजल का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा कुछ लोग भांग घोंटकर भी चढ़ाते हैं। शिवजी की पूजा में लगने वाली सामग्री में जल, दूध, दही, चीनी, घी, शहद, पंचामृत, कलावा, वस्त्र, जनेऊ, चन्दन, रोली, चावल, फूल, बिल्वपत्र, दूर्वा, फल, विजिया, आक, धूतूरा, कमल-गट्ठा, पान, सुपारी, लौंग, इलायची, पंचमेवा, धूप, दीप का इस्तेमाल किया जाता है।

श्रावण मास के प्रथम सोमवार से इस व्रत को शुरू किया जाता है। प्रत्येक सोमवार को गणेशजी, शिवजी, पार्वतीजी की पूजा की जाती है। इस सोमवार व्रत से पुत्रहीन पुत्रवान और निर्धन धर्मवान होते हैं। स्त्री अगर यह व्रत करती है, तो उसके पति की शिवजी रक्षा करते हैं। सोमवार का व्रत साधारणतया दिन के तीसरे पहर तक होता है। इस व्रत में फलाहार या पारण का कोई खास नियम नहीं है, किंतु आवश्यक है कि दिन-रात में केवल एक ही समय भोजन करें। सोमवार के व्रत में शिव-पार्वती का पूजन करना चाहिए।

श्रावण माह में गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र, पंचाक्षर मंत्र इत्यादि शिव मंत्रों का जाप शुभ फलों में वृद्धि करने वाला होता है। श्रावण माह में भक्त शिवालय में स्थापित, प्राण-प्रतिष्ठित शिवलिंग या धातु से निर्मित लिंग का गंगाजल व दुग्ध से रुद्राभिषेक कराते हैं। शिवलिंग का रुद्राभिषेक भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। इन दिनों शिवलिंग पर गंगा जल द्वारा अभिषेक करने से भगवान शिव अतिप्रसन्न होते हैं। शिवलिंग का दुग्धा अभिषेक एवं घृत से अभिषेक करने पर योग्य संतान की प्राप्ति होती है। ईख के रस से धन संपदा की प्राप्ति होती है और कुशोदक से समस्त व्याधि शांत होती है। दधि से पशु धन की प्राप्ति होती है ओर शहद से शिवलिंग पर अभिषेक करने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।

भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए आप इन कुछ बातों पर भी अमल कर सकते हैं-

- « श्रावण मास में रुद्राक्ष की माला धारण करें व रुद्राक्ष माला से शिव मंत्र का जाप करें।
- « पूजन के समय भगवान शिव को भभूती लगायें और अपने मस्तक पर भी भभूती लगायें।
- « श्रावण मास में शिव चालीसा और आरती का पाठ करें।
- « महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना चाहिए।
- « श्रावण मास के सभी सोमवार को व्रत रखें।
- « बेलपत्र, दूध, शहद और जल से शिवलिंग का अभिषेक करें।
- « शिवलिंग पर केसर चढ़ाने से आप सौम्य होंगे।
- « चीनी से शिवलिंग का अभिषेक करने से सुख और वैभव की प्राप्ति होगी और दरिद्रता चली जायेगी।
- « शिवलिंग पर इत्र चढ़ाने से विचार और मन पवित्र होंगे।
- « शिवलिंग का दही से अभिषेक करने से आने वाली परेशानियां दूर चली जाएंगी।
- « घी से अभिषेक करने से शक्ति बढ़ेगी और शिवलिंग पर चंदन चढ़ाने से आपका यश बढ़ेगा।

रेसिपी

छेने की खीर

सामग्री

- आधा कप छेना
- आधा लीटप फुल क्रीम दूध
- बारीक कटे और उबले 10 बादाम और पिस्ता
- 1 छोटी इलायची
- एक चौथाई चम्मच सिट्रिक एसिड
- स्वादानुसार चीनी
- 5-6 किशमिश

विधि

सबसे पहले एक नॉन स्टिक पैन में दूध डालकर गर्म करें फिर इसमें छेना डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। जब दूध में उबाल आए तब इसमें चीनी डालकर चलाते रहे और इसके बाद इसमें पिस्?ते, किशमिश, छोटी इलायची और बादाम डालकर अच्छी तरह से धीमे से मिला लें। और फिर सिट्रिक एसिड मिलाएं और इसे गैस से उतार लें। और ठंडा होने दें। थोड़ा ठंडा होने पर इसे आधा घंटे के लिए फ्रिज में रखें। दें। इसे बाद ठंडी-ठंडी टेस्टी खीर सर्व करें।

केसर बादाम कुल्फी

सामग्री

- आधा कप दूध
- दो कप कंडेस्ड मिल्क
- आठ चम्मच क्रीम
- दो कप बारीक कटा हुआ बादाम
- एक चम्मच साबुत बादाम
- दो-तीन धागे केसर

विधि

सबसे पहले एक बाउल में बादाम, क्रीम और कंडेंस्ड मिल्क को अच्छी तरह से फेंटकर इसका गाढ़ा पेस्ट बना लें। इसके बाद एक पैन में दूध गाढ़ा होने तक उबाले और उसमें केसर डाल दें। जब केसर का रंग दूध में आ जाएं, तो गैस बंद कर दें। और इसे ठंडा होने दीजिए।इसी बीच आप एक तवे में साबुत बादाम को सूखा ही भून लें और बारीक काट लें। इसके बाद केसर युक्त दूध ठंडा हो गया है इसको पहले से तैयार किया हुआ पेस्ट इसमें मिला दें। साथमें कुछ बादाम इसमें मिला दें और कुछ गार्निश के लिए अलग रख दें। इसके बाद इसे कुल्फी के सांचे में डालें और ढक्कन लगाकर इसे लगभग 4 घंटे के लिए फ्रीजर में रख दें। 4 घंटे बाद इसे फ्रीजर से निकाल लें और भूने बादाम और केसर से गार्निश कर ठंड़ी-ठंड़ी सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**